RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 311 ता. 16 जून 2022, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

अग्निवीरों को अर्धसैनिक बलों की नौकरी में मिलेगी प्राथमिकता, होम मिनिस्टर अमित शाह का ऐलान

देश की तीनों सेनाओं में भर्ती किए जाने वाले अग्निवीरों को 4 साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद अर्धसैनिक बलों और असम राइफल्स में नियुक्ति मिल सकेगी। होम मिनिस्टर अमित शाह ने यह ऐलान किया है।

नई दिल्ली। देश की तीनों सेनाओं में भर्ती किए जाने वाले अग्निवीरों को 4 साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद अर्धसैनिक बलों और असम राइफल्स में नियुक्ति मिल सकेगी। होम मिनिस्टर अमित शाह ने यह ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि अग्निवीरों को सेना से सेवामुक्ति के बाद रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। उन्हें अर्धसैनिक बलों एवं असम राइफल्स में होने वाली भर्तियों में प्राथमिकता दी जाएगी।

अमित शाह ने बुधवार को कहा कि सेना की नई शॉर्ट टर्म रिक्रूटमेंट पॉलिसी के तहत भर्ती हुए अग्निवीरों को सेवा समाप्ति के बाद अर्ध सैनिक बलों और असम राइफल्स की नौकरी में प्राथमिकता की दी जाएगी। उन्होंने कहा कि अग्निपथ योजना विजनरी स्कीम है और पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से स्वागत योग्य फैसला है। इससे देश के युवाओं को उज्ज्वल भविष्य मिलेगा।

- अमित शाह ने बुधवार को कहा कि सेना की नई शॉर्ट टर्म रिक्रूटमेंट पॉलिसी के तहत भर्ती हुए अग्निवीरों को सेवा समाप्ति के बाद अर्ध सैनिक बलों और असम राइफल्स की नौकरी में प्राथमिकता की दी जाएगी। उन्होंने कहा कि अग्निपथ योजना विजनरी स्कीम है और पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से स्वागत योग्य फैसला है। इससे देश के युवाओं को उज्ज्वल भविष्य मिलेगा। उन्होंने कहा कि इसी संदर्भ में होम मिनिस्ट्री ने फैसला लिया है कि अग्निवीरों को अर्धसैनिक बलों और असम राइफल्स में होने वाली भर्तियों में प्राथमिकता दी जाए।

उन्होंने कहा कि इसी संदर्भ में होम मिनिस्ट्री ने फैसला लिया है कि अग्निवीरों को अर्धसैनिक बलों और असम राइफल्स में होने वाली भर्तियों में प्राथमिकता दी जाए।

अग्निपथ स्कीम के तहत भर्ती हुए अग्निवीर ऑफिसर रैंक से नीचे के सैन्यकर्मी होंगे। इन्हें 4 साल के लिए नियुक्ति मिलेगी और 11 लाख की एकमुश्त राशि के साथ सेवामुक्त किया जाएगा। इन लोगों में से भी करीब 25 फीसदी सैनिकों को स्क्रीनिंग के एक और राउंड में पास होने के बाद आगे की सेवा के लिए रखा जाएगा। अग्निवीरों के लिए अलग ही पद नाम होगा। इसके अलावा उनकी वर्दी पर एक अलग ही प्रतीक चिह्न अंकित होगा। बता दें कि मंगलवार को डिफेंस मिनिस्टर राजनाथ सिंह एवं तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने इस स्कीम का ऐलान किया था।

बिहार में सेना की अग्निपथ स्कीम का विरोध, बक्सर में ट्रेन पर पथराव, मुजफ्फरपुर में सड़क जाम कर हंगामा

बिहार के बक्सर में आक्रोशित युवाओं ने ट्रेन पर पथराव किया। जानकारी के मुताबिक पटना जा रही पाटलिपुत्र एक्सप्रेस पर पथराव किया गया। मुजफ्फरपुर में भी सेना भर्ती के युवाओं का प्रदर्शन शुरू हो गया है।

मुजफ्फरपुर। सेना में भर्ती के नियमों में बदलाव को लेकर तैयारी कर रहे युवा विरोध में सड़कों पर उतर गए हैं। बिहार के बक्सर में आक्रोशित युवाओं ने ट्रेन पर पथराव किया। जानकारी के मुताबिक पटना जा रही पाटलिपुत्र एक्सप्रेस पर पथराव किया गया। इस बीच काशी पटना जनशताब्दी एक्सप्रेस करीब 18 मिनट तक प्लेटफॉर्म संख्या ए पर रुकी रही। इससे रेल प्रशासन और यात्री परेशान दिखे। उधर मुजफ्फरपुर में भी सेना भर्ती के युवाओं का प्रदर्शन शुरू हो गया है। प्रदर्शनकारी युवाओं ने मुजफ्फरपुर रेलवे स्टेशन के पास चक्कर चौक पर हंगामा किया। युवाओं ने चक्कर चौक पर आग जलाकर रोड जाम कर दिया। यहां से करीब आधा किलोमीटर की दूरी पर चक्कर मैदान स्थित है जहां सेना की बहाली होती है। इसके अलावे चक्कर मैदान के पास गोबरसही चौक पर प्रदर्शन किया जा रहा है। सदर थाना के पास भगवानपुर गोलम्बर पर भी बड़ी संख्या में युवक जुटे हैं। वहां भी आग जलाकर एनएच 28 को जाम कर दिया गया है। पुलिस और प्रशासन उन्हें समझाने बुझाने में लगी है।

सिक्किम में नेपाली फिल्म पर क्यों मचा है बवाल, मसला हल होने तक लगा बैन

सिलीगुड़ी। सिक्किम सरकार ने राज्य में संगठनों और भिक्षुओं द्वारा की गई अपील के बाद हिमालयी राज्य में बहुप्रतीक्षित नेपाली फिल्म कबड्डी 4 की रिलीज पर अंतरिम प्रतिबंध लगा दिया है। सिक्किम के मंत्री पीएस तमांग (गोले) प्रमुख ने सोशल मीडिया के जरिए इसकी जानकारी देते हुए कहा, ÷सिक्किम के लोगों और विभिन्न संघों और संगठनों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने राज्य में कबड्डी 4 की रिलीज पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है, जब तक कि विवाद को स्वीकार्य तरीके से हल नहीं किया जाता है। कबड्डी 4 अब नेपाल में तीन सप्ताह तक चल रहा है। इसकी भारत में रिलीज 17 जून को होनी थी। इसकी स्क्रीनिंग सिक्किम के गंगटोक, नामची और मेली और पश्चिम बंगाल के कलिम्पोंग, दार्जिलिंग और सिलीगुड़ी के पड़ोसी इलाकों में की जाएगी। सिक्किम में रिलीज होने से कुछ दिन पहले फिल्म को राज्य में जबरदस्त विरोध का सामना करना पड़ा। काठमांडू में फिल्म के प्रचार कार्यक्रम के दौरान कथित अभद्र व्यवहार के लिए कबड्डी 4 की अभिनेत्री मिरुना मगर द्वारा एक युवा साधु को थप्पड़ मारने पर भिक्षुओं और विभिन्न संघों ने अपना आक्रोश दर्ज किया। उन्होंने सिक्किम सरकार और थिएटर मालिकों से सिक्किम में फिल्म की रिलीज को तब तक रोके रखने की अपील की थी जब तक कि भिक्षु को न्याय नहीं मिल जाता। कुछ प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर उतरने की धमकी भी दी थी। एक और मांग यह थी कि मिरुना को अपने सोशल मीडिया अकाउंट से एक वीडियो स्टेटमेंट के साथ माफी मांगनी चाहिए। मंगलवार दोपहर एक कार्यक्रम के बाद मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि सिक्किम में कबड्डी 4 पर प्रतिबंध पूर्ण प्रतिबंध नहीं है। उन्होंने कगा, यह पूर्ण प्रतिबंध नहीं है। हमने इसे अभी के लिए तब तक के लिए प्रतिबंधित किया है जब तक कि विवाद का निपटारा नहीं हो जाता। हमने यह फैसला इसलिए लिया क्योंकि विभिन्न संगठन फिल्म के खिलाफ आगे आए और कहा कि उनकी भावनाओं को ठेस पहुंची है। अगर समझौता हो जाता है और संगठन इसके लिए राजी हो जाते हैं

सुरक्षाबलों ने लिया बदला, बैंक मैनेजर के हत्यारे समेत दो आतंकी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच हुई मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए हैं। इनका संबंध आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से बताया गया है। यह सब तब हुआ जब कांजीलुर इलाके में बुधवार को सुरक्षाबलों और इन आतंकियों के बीच मुठभेड़ हो गई। इनमें से एक वही आतंकी था जो हाल ही में कुलगाम स्थित बैंक मैनेजर की हत्या में शामिल था।

दरअसल, न्यूज एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक आईजीपी कश्मीर ने बताया कि मारे गए आतंकवादियों में से एक की पहचान शोपियां के जान मोहम्मद लोन के रूप में हुई है। वह हाल ही में कुलगाम जिले में दो जून को बैंक मैनेजर विजय कुमार की हत्या में शामिल था। दूसरी की शिनाख्त की जा रही है।

कश्मीर जोन पुलिस ने भी ट्वीट करके बताया कि प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर से जुड़े दो आतंकवादी मारे गए। आगे की जानकारी जल्द दी जाएगी। जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षा बल संयुक्त रूप से यह ऑपरेशन चला रहे थे। आतंकियों का संबंध आतंकी संगठन से था। इस मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी को भी मामूली चोटें आई हैं।

इस मुठभेड़ के बारे में बताते हुए कश्मीर रेंज के आईजी विजय कुमार ने जानकारी दी कि मंगलवार रात को शोपियां जिले के कांजीलुर में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इस सूचना के बाद सेना, जम्मू कश्मीर पुलिस और CRPF ने इलाके की घेराबंदी कर घर-घर तलाशी शुरू की। तलाशी अभियान के दौरान खुद को घिरा पाकर आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसका जवानों ने जवाब दिया।

इससे पहले श्रीनगर के बेमिना इलाके में हुई मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर हो गए थे। उस दौरान बेमिना में सोमवार देर रात सुरक्षाबलों ने एक मुठभेड़ में पाकिस्तानी कमांडर अब्दुल्ला गोजरी और लश्कर के स्थानीय कमांडर मुसैब समेत दो आतंकियों को मार गिराया था।

जयपुर में अगले महीने होगी RSS की बड़ी बैठक

ज्ञानवापी और पैगंबर मुहम्मद विवाद पर भी होगा मंथन

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शीर्ष नेताओं की अगले महीने जयपुर में बैठक होने वाली है, जिसमें ज्ञानवापी मस्जिद परिसर मामले और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से निलंबित प्रवक्ता नुपुर शर्मा द्वारा पैगंबर मोहम्मद पर विवादास्पद टिप्पणी पर हिंसक विरोध प्रदर्शन सहित कई मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। मामले की जानकारी रखने वाले एक पदाधिकारी ने मंगलवार को यह बात कही। 28 मई को एक टेलीविजन डिबेट के दौरान नूपुर शर्मा ने पैगंबर मुहम्मद के बारे में विवादास्पद टिप्पणी की और पार्टी के नेता नवीन कुमार जिंदल ने 1 जून को कुछ आपत्तिजनक टिप्पणियां ट्वीट कीं। टिप्पणी पर नाराजगी के बीच भाजपा ने शर्मा को निलंबित कर दिया और 5 जून को जिंदल को निष्कासित कर दिया।

नूपुर शर्मा के बयान पर इस्लामिक देशों में हंगामा

उनके इस बयान से ओमान, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया सहित लगभग 15 देशों ने अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए राजनयिक हंगामा शुरू कर दिया। भारत सरकार ने बाद में एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया कि धार्मिक व्यक्तित्व को बदनाम करने वाले व्यक्तियों की टिप्पणी किसी भी तरह से भारत सरकार के विचारों को प्रतिबिंबित नहीं करती है। इस टिप्पणी ने 10 जून को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें दो लोगों की जान चली गई और कई घायल हो गए।

राजस्थान में पेट्रोल पंप हुए ड्राई, जयपुर में देर रात उमड़ी भीड़; पुलिस को संभालना पड़ा मोर्चा

जयपुर। राजस्थान में एचपीसीएल और बीपीसीएल पेट्रोल पंप ड्राई हो चुके हैं। पेट्रोल और डीज़ल की आपूर्ति नहीं कर रही है। पेट्रोल पंपों पर भीड़ उमड़ रही है। देर रात राजधानी जयपुर में पेट्रोल पंपों पर भीड़ उमड़ गई। हालात का संभालने के लिए पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा। जयपुर के अधिकांश पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीज़ल उपलब्ध नहीं होने के बोर्ड लग चुके है। राजस्थान पेट्रोल डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनीत बगई ने बताया कि अगले तीन से चार दिन तक सुधार के आसार भी नहीं दिखाई दे रहे हैं। क़िल्लत की पहली बड़ी वजह है दो हफ़्ते से रिलायंस और एस्सार के पेट्रोल पम्प्स का बंद होना है। इन दोनों कम्पनियों का राजस्थान में मार्केट शेयर करीब पंद्रह फ़ीसदी है। अब इनके पम्प्स बंद हुए तो इनका भार अन्य कम्पनियों के पेट्रोल पम्प्स पर आ गया। लोग पेट्रोल और डीजल की किल्लत के बीच अपने वाहनों में तेल डलवाने के लिए जद्दोजहद कर रहे हैं।

जयपुर के लगभग सभी पेट्रोल पंपों पर भीड़ के कारण हालात बिगड़ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले 3 दिनों से प्रदेश के कुछ पेट्रोल पम्पों के ड्राई होने के मामले सामने आ रहे थे। लेकिन मंगलवार दोपहर को राजधानी जयपुर के एचपीसीएल और बीपीसीएल पंपों पर भी पेट्रोल और डीजल खत्म होने लगा और शाम होते-होते शहर के अधिकतर पंप ड्राई हो गए। ऐसे में देर रात आईओसीएल के पेट्रोल पंपों पर लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। जयपुर के रामगढ़ मोड़, शास्त्री नगर, झोटवाड़ा, वैशाली नगर, प्रताप नगर और विद्याधर नगर के कुछ इलाकों में पेट्रोल पंप पर लोगों की भीड़ नजर आने लगी। जिसके बाद सड़कों पर जाम की स्थिति बन गई। ऐसे में स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई और पेट्रोल पंप पर पुलिस की मौजूदगी में पेट्रोल दिया गया। राजस्थान में करीब 3 हजार पेट्रोल पंप बीपीसीएल और एचपीसीएल कंपनी के हैं। जहां से हर दिन पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति की जाती है,लेकिन पिछले कुछ समय से एचपीसीएल और बीपीसीएल कंपनी की ओर से पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति को रोक दिया गया है।

आमजन की उठानी पड़ रही है परेशान –राजस्थान में लगभग हर दिन 25 लाख लीटर पेट्रोल और 1 करोड़ लीटर डीजल की खपत होती है। इनमें से 50 फ़ीसदी पेट्रोल और डीजल की खपत आईओसीएल पेट्रोल पंप पर होती है। जबकि 22 फ़ीसदी बीपीसीएल और 22 फीसदी एचपीसीएल कंपनी तेल की आपूर्ति करते हैं। जबकि 6 फीसदी प्राइवेट कंपनियों के पेट्रोल पंप मौजूद हैं। पेट्रोल- डीजल की कमी की वजह से आम आदमी तो परेशान है। खेती किसानी और उद्योग-धंधों पर भी इसका असर पड़ रहा है। उद्योगों के उत्पादन और किसानों को बुवाई के मौसम में डीजल की कमी का सामना करना पड़ रहा है।

झारखंड के गिरिडीह में भी सांप्रदायिक तनाव, 150 मकानों-दुकानों में लगे 'बिक्री है' के पोस्टर

गिरिडीह। झारखंड के गिरिडीह में पचंबा थाना क्षेत्र के हटिया रोड में एक ही समुदाय के लगभग 150 परिवार के लोगों ने अपने-अपने घरों के बाहर मकान बिक्री है, का पोस्टर चिपका दिया है। सांप्रदायिक झड़प के बाद पुलिस पर एकपक्षीय कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को भी पचंबा बाजार बंद रखा। पचंबा के हटिया रोड में 12 जून की रात छेड़छाड़ के मामले को लेकर दो समुदायों के बीच जमकर पथराव हुआ था। इस दौरान पचंबा की दुकानें धड़ाधड़ बंद हो गई थी। पुलिस पदाधिकारियों को मोर्चा संभालना पड़ा था। इस मामले में पुलिस ने दो नाबालिग समेत सात लोगों को गिरफ्तार कर दूसरे दिन सोमवार को हजारीबाग रिमांड होम और गिरिडीह जेल भेज दिया था। पुलिस की कई कार्रवाई को एक समुदाय के लोग एकपक्षीय कार्रवाई करार देकर आंदोलित हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि वे लोग आए दिन होनेवाली पत्थरबाजी, छेड़खानी और निर्दोषों के ऊपर एफआइआर की घटना से त्रस्त हैं। जिसके बाद उन लोगों ने सामूहिक रूप से अपने घरों को बेचकर जाने का फैसला लिया है। लोगों का आरोप है कि दोषी अब भी बाहर घूम रहे हैं और पुलिस ने निर्दोष लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। ऐसा थाना के ही एक दलाल के इशारे पर हुआ है।

लोगों का कहना है कि बगल मोहल्ले के समुदाय विशेष के लड़के अक्सर हटिया रोड आकर विवाद खड़ा करते हैं, और प्रशासन भी उनके और राजनीतिक प्रभाव में आकर निर्दोष लोगों पर कार्रवाई करती है। लिहाजा वे लोग घर बेचकर कहीं और चले जायेंगे। नाम नहीं छापने की शर्त पर स्थानीय लोगों ने थाना में दलाली करनेवाले व्यक्ति का नाम भी बताया और कहा कि किसी भी प्रकार की घटना में वह जानबूझ कर निर्दोष युवकों का नाम जोड़वा देता है। थाना के लोग भी उसी के प्रभाव में काम करते हैं। जिससे वह मनमानी करता है, और लोगों को फंसाने का काम करता है। अगल बगल के समुदाय विशेष के युवक आकर हटिया रोड में जान बूझकर छेड़खानी, पत्थरबाजी की घटना को अंजाम देते हैं। वहीं पुलिस जहां घटना होती है, वहीं के लोगों का नाम उसके कहने पर घटना में जोड़ देती हैं।

थाना में भाजपा नेताओं की पुलिस पदाधिकारियों से हुई बात–पुलिस पदाधिकारियों के आमंत्रण पर गिरिडीह के पूर्व विधायक निर्भय कुमार शाहाबादी के निर्देश पर पांच लोगों का शिष्टमंडल पचंबा थाना पहुंचे। वहां पर एसडीओ विशालदीप खलको, डीएसपी मुख्यालय संजय कुमार राणा, एसडीपीओ सदर अनिल कुमार सिंह आदि मौजूद थे। पुलिस पदाधिकारियों ने बताया कि अगर आप सबको किसी प्रकार की शिकायत है तो आवेदन दें कार्रवाई होगी। पुलिस दोषियों के खिलाफ बगैर भेदभाव कार्रवाई कर रही है। एकपक्षीय कार्रवाई की बात गलत है। शिष्ट मंडल में शामिल वार्ड पार्षद सदानंद वर्मा, अजय और नरेंद्र सिंह आदि ने बातें रखी और छह मांगों के समर्थन में ज्ञापन सौंपा। सौहार्दपूर्ण वार्ता होने के बाद पचंबा में दिया जा रहा पूर्व विधायक शाहाबादी की अगुवाई में धरना समाप्त कर दिया गया।

मकान बिक्री है का पोस्टर हुआ वायरल, तो पहुंचे पूर्व विधायक–पत्थरबाजी और निर्दोषों के ऊपर हुई एफआइआर और गिरफ्तारी के विरोध में सोमवार को लोगों ने अपनी दुकानें बंद रखी थी। वहीं मंगलवार को घटना से क्षुब्ध हटिया रोड के लोगों ने सामूहिक रूप से दुकानों को बंद रखा और अपने घरों के सामने मकान-दुकान बिक्री है का पोस्टर चिपका दिया। खबर सोशल मीडिया में वायरल हुई, तो गिरिडीह के पूर्व विधायक निर्भय कुमार शाहबादी, चुन्नूकांत, संदीप डंगैइच, दीपक स्वर्णकार, सांसद प्रतिनिधि दिनेश प्रसाद यादव भी मौके पर पहुंचे और स्थानीय नागरिकों के साथ धरना पर बैठ गए। इस दौरान सबने एक सुर में दोषियों पर कार्रवाई करने और निर्दोषों को रिहा करने की मांग की।

पुलिस ने कहा आरोप बेबुनियाद

एसपी गिरिडीह अमित रेणु ने कहा कि आंदोलनकारियों से वार्ता के लिए डीएसपी मुख्यालय संजय कुमार राणा, एसडीपीओ सदर अनिल कुमार सिंह को जिम्मेवारी दी गई है।

संत तुकाराम ने हमें दयालु समाज बनाने के लिए प्रेरित किया : प्रधानमंत्री मोदी

पुणे। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि संत तुकाराम के आदर्श कई लोगों के लिए प्रेरणास्रोत हैं और वह दूसरों की सेवा करने एवं एक दयालु समाज के निर्माण के लिए भी प्रेरित करते हैं। मोदी महाराष्ट्र के एक दिन के दौरे पर थे और इस दौरान उन्होंने पुणे के पास देहू में 17वीं सदी के संत को समर्पित संत तुकाराम महाराज मंदिर में एक शिला मंदिर, राजभवन में जल भूषण भवन और क्रांतिकारियों की गैलरी का उद्घाटन किया। मोदी ने गुजराती समाचार पत्र 'मुंबई समाचार' के द्विशताब्दी समारोह में भी भाग लिया।

मोदी ने बाद में ट्वीट किया, ''संत तुकाराम के आदर्श कई लोगों को प्रेरित करते हैं। वह हमें दूसरों की सेवा करने और एक दयालु समाज बनाने के लिए प्रेरित करते हैं।'' मोदी ने कहा, ''संत तुकाराम ने अपने जीवन में बहुत कष्ट सहे। उन्होंने सूखे का सामना किया और भूख से भी जूझे। ऐसे समय में उन्होंने अपनी सारी संपत्ति समाज को दान कर दी।'' शिला मंदिर के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि तुकाराम महाराज ने बहुत कठिन दौर में समाज को दिशा दी। उन्होंने कहा, ''यादव वंश के समाप्त होने के बाद पूरा समाज बिखरा हुआ था। अंधविश्वास ने आस्था का स्थान ले लिया था। कर्मकांडों में वृद्धि हुई थी और शोषण हो रहा था। इस अवधि में राज्य में संत परंपरा ने एक बार फिर भागवत धर्म को बढ़ावा दिया।''

फडणवीस ने कहा कि तुकाराम महाराज ने भी समाज को अंधविश्वास से मुक्ति दिलाने का प्रयास किया। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी संत तुकाराम के बताए रास्ते पर चल रहे हैं। फडणवीस ने कहा, ''गरीबों और हाशिए पर मौजूद लोगों की सेवा के संदेश को अपनाकर गरीबों के लिए काम कर रहे प्रधानमंत्री मोदी सही मायने में 'वारकरी' (भगवान विट्ठल के भक्त) हैं।'' उन्होंने कहा कि वारकरी समुदाय ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' की अवधारणा का प्रचार किया और मोदी भी वही काम कर रहे हैं।

'एमवीए सरकार अयोध्या में बनाना चाहती है महाराष्ट्र सदन', आदित्य बोले- चुनाव जीते या हारे, हम अपना वचन पूरा करते हैं

लखनऊ। (एजेंसी)।

महाराष्ट्र के मंत्री और शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने अयोध्या में इस्कॉन मंदिर में आरती की। इस दौरान उनके साथ शिवसेना सांसद संजय राउत भी मौजूद रहे। इसी बीच आदित्य ठाकरे ने कहा कि हमारा हिंदुत्व साफ है, %रघुकुल रीत सदा चली आई, प्राण जाए पर वचन न जाई% जो भी हम चुनाव में वचन देते हैं, वह सब पूरा करते हैं। चुनाव जीते या हारे लेकिन, हम अपना वचन पूरा करते हैं। यहां हम राजनीति के लिए नहीं बल्कि दर्शन करने के लिए आए हैं।

अयोध्या में बनाएंगे महाराष्ट्र सदन

समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, महाराष्ट्र के मंत्री आदित्य ठाकरे ने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से फोन पर बात करेंगे और पत्र भी लिखेंगे कि यहां अयोध्या में महाराष्ट्र सदन के लिए जगह दे। यहां महाराष्ट्र से बहुत तीर्थ यात्री आते हैं, उनके रहने के लिए हम यहां महाराष्ट्र सदन बनाना चाहते हैं।

आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश की जमीन पर आदित्य ठाकरे का जोरदार स्वागत हुआ। जिसको देखकर वह काफी ज्यादा उत्साहित दिखाई दिए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र और अन्य राज्यों से भी हमारे कार्यकर्ता आए हैं और जो उत्तर प्रदेश के शिव सैनिक हैं सभी में एक अलग तरह का जोश और उत्साह है। यहां के जो नागरिक हैं, जो महंत हैं और जिस तरह से हमारा स्वागत किया जा रहा है और हमें आशीर्वाद मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि वो दिखाता है कि यहां के लोगों के मन में ठाकरे परिवार और शिवसेना परिवार के लिए एक अलग भावना है, एक प्यार की भावना है और वही सब जगह दिख रही है।

भगवंत मान सरकार 'बेहद ईमानदार' है, भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए कई कदम उठाए: केजरीवाल

जालंधर (पंजाब)। (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब में भगवंत मान नीत आम आदमी पार्टी की सरकार को बुधवार को ''बेहद ईमानदार'' बताया, जिसने अभी तक अपने तीन महीने के कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए कदम उठाने समेत ''कठोर फैसले'' लेने से भी संकोच नहीं किया। आप के राष्ट्रीय संयोजक ने पूर्ववर्ती सरकारों पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उनके तहत परिवहन माफिया समेत विभिन्न प्रकार के माफिया फले-फूले थे।

उन्होंने कहा कि भगवंत मान नीत आप सरकार बेहद ईमानदार सरकार है, जो कठोर फैसले लेने से भी नहीं हिचकिचाती है। केजरीवाल ने जालंधर से दिल्ली में इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाईअड्डे तक लग्जरी बस सेवा शुरू करने के बाद अपने संबोधन में कहा कि भ्रष्टाचार रोधी हेल्पलाइन शुरू करने समेत भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। केजरीवाल और मान दोनों ने आईजीआई हवाईअड्डे के लिए सीधी बस सेवा को हरी झंडी दिखायी।

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों से किए गए सभी वादे पूरे किए जाएंगे और हम एक बार फिर पंजाब को ''रंगला'' बनाएंगे। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे कानून एवं व्यवस्था के मुद्दे पर मान सरकार पर सवाल खड़े कर रहे हैं लेकिन सच्चाई यह है कि राज्य में पूर्ववर्ती सरकारों में गैंगस्टरों को राजनीतिक संरक्षण मिलता था। केजरीवाल ने कहा कि महज तीन महीनों में राज्य में 130 गैंगस्टरों को पकड़ा गया है। उन्होंने कहा, ''पूर्व सरकारों में उन्हें (गैंगस्टरों को) राजनीतिक संरक्षण मिलता था।

कांग्रेस नेता शेख हुसैन ने पार की सारी हदें, पीएम मोदी के खिलाफ की विवादित टिप्पणी

नई दिल्ली। समाचार एजेंसीने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने के बाद महाराष्ट्र कांग्रेस नेता शेख हुसैन के खिलाफ नागपुर में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। गिट्टीखदान पुलिस स्टेशन ने मंगलवार रात भारतीय दंड संहिता की धारा 294 (अश्लील कृत्य और गीत) और 504 (शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर अपमान) के तहत शिकायत दर्ज की।नागपुर कांग्रेस इकाई के पूर्व अध्यक्ष शेख हुसैन ने नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा राहुल गांधी से पूछताछ पर पीएम मोदी की आलोचना करते हुए कथित टिप्पणी की। वह सोमवार को गांधी वंशज के समर्थन में स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं के एक प्रदर्शन को संबोधित कर रहे थे। भाजपा की नागपुर इकाई ने हुसैन द्वारा कथित तौर पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी पर आपत्ति जताई थी और कहा था कि वे पुलिस में शिकायत दर्ज कराएंगे।

पंजाब पुलिस को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की 7 दिन की रिमांड मिली

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

मशहूर पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मामले में पंजाब पुलिस ने बुधवार को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की 7 दिन की रिमांड हासिल की है। पंजाब पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई को सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मामले में मनसा के चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया था। इससे पहले दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने पंजाब पुलिस को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को सिद्धू मूसेवाला की हत्या के मामले में गिरफ्तार करने की अनुमति दी थी। अदालत ने पंजाब पुलिस को लॉरेंस बिश्नोई को पंजाब ले जाने की अनुमति भी दी थी. अब पंजाब पुलिस लॉरेंस बिश्नोई को मौहाली ले जा रही है।

पंजाब पुलिस के ट्रांजिट आवेदन पर लॉरेंस के वकील विशाल चोपड़ा ने अदालत में कहा था कि बिश्नोई की जान को खतरा है। अगर लॉरेंस बिश्नोई को पंजाब भेजने की अनुमति दी गई, तब उसकी हत्या हो सकती है। बिश्नोई के वकील का कहना था कि वे वर्चुअल जांच और सुनवाई के विरोध में नहीं हैं। लॉरेंस के वकील का कहना था कि वे केवल बिश्नोई को पंजाब भेजने का विरोध कर रहे हैं। अगर पंजाब पुलिस को जरूरत हो, तब लॉरेंस बिश्नोई को गिरफ्तार करे, लेकिन उसे केवल दिल्ली में ही रखा जाए।

गौरतलब है कि पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की मनसा जिले के जवाहर के गांव में 29 मई को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उससे केवल एक दिन पहले ही पंजाब पुलिस ने सिद्धू मूसेवाला की सुरक्षा को वापस लिया था।

भ्रष्टाचार के मामले में जांच के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन उसके 'छोटेपन' को दर्शाता है: भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भाजपा ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस अपने भ्रष्टाचार को ''छिपाने'' के लिए हिंसा की आड़ ले रही है जो उसके ''छोटेपन'' को दर्शाता है। पार्टी ने यह भी कहा कि कांग्रेस के ''सत्याग्रह'' का ''असली सत्य'' गांधी परिवार के भ्रष्टाचार पर पर्दा डालना है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हिंसा व आगजनी की कुछ घटनाओं से संबंध न होने के बावजूद असहयोग आंदोलन समाप्त कर दिया था, वहीं दूसरी तरफ आज की कांग्रेस है जो भ्रष्टाचार के एक मामले की जांच का विरोध करी है और ''हिंसात्मक प्रदर्शन'' पर उतारू है।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 'नेशनल हेराल्ड' समाचार पत्र से जुड़े कथित धनशोधन के एक मामले में लगातार तीसरे दिन बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए।

जांच एजेंसी उनसे पूछताछ कर रही है। पार्टी के विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, सांसद, नेता और कार्यकर्ताओं ने इसके खिलाफ आज भी विरोध-प्रदर्शन किया। पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में भी लिया है। त्रिवेदी ने इस विरोध प्रदर्शन के लिए कांग्रेस को आड़े हाथ लिया और कहा, ''हिंसा की आड़ लेकर भ्रष्टाचार को छुपाने का प्रयास हो रहा है। यह कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व का कितना छोटापन है? यह साफ दिख जाता है कि गांधी के दौर से सोनिया गांधी और राहुल गांधी तक आते-आते कांग्रेस कितनी छोटी और कितनी बौनी होती चली जा रही है।'' भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि राहुल गांधी न तो कांग्रेस के अध्यक्ष हैं और न ही नेता प्रतिपक्ष हैं तथा वह केवल एक सांसद हैं, ऐसे में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन प्रमाणित करता है कि इस पार्टी में पद और कद दोनों का कोई महत्व नहीं है। उन्होंने कहा, ''ये केवल और केवल परिवार की पार्टी है, यह साबित हो गया है।'' त्रिवेदी ने सवाल उठाया कि कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री अपनी राज्य सरकारों का कार्य छोड़कर विगत तीन दिन से दिल्ली में क्यों बैठे हुए हैं। उन्होंने कहा, ''क्या यह उन राज्यों की जनता के साथ धोखा नहीं हैं, जिन्होंने कांग्रेस को लोकतांत्रिक तरीके से चुना था।'' त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि जिस पार्टी के दो पूर्व प्रधानमंत्रियों ने सरकार में रहते हुए अपने को ही ''भारत रत्न'' से नवाज दिया, उसी परिवार के लोगों ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के सहयोग से बनी हुई संस्था की सारी संपत्ति और धन अपने को ''अर्पित'' कर लिया। ईडी धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) की आपराधिक धाराओं के तहत राहुल गांधी का बयान दर्ज कर रहा है।

भारत को भ्रष्टाचार मुक्त राष्ट्र बनाने के लिए अन्ना हजारे लेकर आये थे राष्ट्रव्यापी क्रांति

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

भारत को भ्रष्टाचार मुक्त राष्ट्र बनाने का सपना अन्ना हजारे ने देखा था। अन्ना हजारे ने यह सपना देखा और उसे पूरा करने के लिए काफी संघर्ष भी किया। अन्ना हजारे ने भ्रष्ट शक्तिशाली वर्गों के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी क्रांति उत्पन्न की और उन्होंने भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए लोकपाल बिल लाने की मांग की, जिसके लिए वह लंबे समय तक आंदोलन करते रहे। अन्ना हजारे का जन्म किसान बाबूराव हजारे के रूप में 15 जून 1937 को महाराष्ट्र के अहमदनगर के पास भिंगर में हुआ था।

अन्ना हजारे की शुरूआत से ही सामाजिक सेवा करने में दिलचस्पी रही थी। वह हमेशा लोगों की सेवा करते थे। एक भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने ग्रामीण विकास को बढ़ावा दिया। अन्ना मोहनदास करमचंद गांधी द्वारा निर्धारित अहिंसा के मार्ग पर चलने वाले व्यक्ति हैं। वह गांधी जी के विचारों से भी काफी ज्यादा प्रभावित रहे हैं। उन्होंने देख से भ्रष्टाचार खत्म करने और सामाजिक रूप से लोगों को हो रही परेशानियों पर कई बार अवाज उठाई, आवाज न सुनने पर उन्होंने भूख हड़ताल भी की।

किसान बाबूराव यानी की ÷अन्ना÷ हजारे एक भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता हैं। उन्होंने साल 2011 में सरकार के खिलाफ आंदोलन किया। भ्रष्टाचार के खिलाफ उन्होंने कड़े कानून बनाने की मांग की थी। अन्ना हजारे की बदौलत ही सरकार लोकपाल बिल लेकर आयी। हांलाकि इस बिल में काफी मांगों को नहीं रखा गया था लेकिन सरकार को अन्ना द्वारा लेकर आयी भ्रष्टाचार के खिलाफ क्रांति के आगे झुकना पड़ा था। अन्ना द्वारा चलाए गये आंदोलन का नाम- %भारतीय भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन% था। इसे लोकप्रिय रूप से अन्ना आंदोलन के नाम से जाना जाता है। साल 2011 में पूरे भारत में अन्ना के आंदोलन की एक ऐसी आंधी चली थी जिसका उद्देश्य राजनीतिक भ्रष्टाचार के खिलाफ मजबूत कानून और प्रवर्तन स्थापित करना था।

टाइम पत्रिका द्वारा इस आंदोलन को 2011 की 10 बड़ी खबरों में जगह दी गयी थी। आंदोलन को 5 अप्रैल 2011 से गति मिली जब भ्रष्टाचार विरोधी कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने नई दिल्ली में जंतर मंतर स्मारक पर भूख हड़ताल शुरू की। इस आंदोलन का उद्देश्य जन लोकपाल विधेयक की शुरूआत के माध्यम से भारत सरकार में भ्रष्टाचार को कम करना था। एक अन्य उद्देश्य, जिसका नेतृत्व रामदेव, किरण बेदी, अरविंद केजरीवाल आदि ने किया था, वह था विदेशी बैंकों से काले धन का प्रत्यावर्तन।

अन्ना हजारे ने भले ही अहिंसा के रास्ते पर चलकर बड़े-बड़े काम किए हैं लेकिन उन्होंने अपने बचपन में काफी कुछ सहा है। अन्ना हजारे ने अपनी सातवीं क्लास की पढ़ाई फी फूल बेचकर की थी। वह अपनी चाची के पास रह रहे थे। अन्ना हजारे 1960 में भारतीय सेना में शामिल हुए हैं। उन्होंने एक सैनिक के रूप में प्रमाणित होने से पहले एक ट्रक चालक के रूप में कार्य किया। हजारे 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान सीमा के खेमकरण इलाके में तैनात थे। वह दुश्मन के हमले से बचने वाले एकमात्र व्यक्ति थे।

कोवैक्सीन की बूस्टर खुराक डेल्टा, ओमीक्रोन के खिलाफ प्रतिरक्षा को करती है मजबूत

नयी दिल्ली। कोवैक्सीन की बूस्टर खुराक कोरोना वायरस के डेल्टा स्वरूप के खिलाफ टीके का प्रभाव बढ़ाती है और ओमीक्रोन के बीए.1.1 तथा बीए.2 स्वरूपों के खिलाफ प्रतिरक्षा को मजबूत करती है। आईसीएमआर और भारत बायोटेक के अध्ययन में यह बात कही गई है। अध्ययन में कहा गया है कि सीरियन हैमस्टर मॉडल (मनुष्य से जुड़ी बीमारियों का अध्ययन करने वाले पशु मॉडल) में डेल्टा स्वरूप के खिलाफ टीकाकरण की दो तथा तीन खुराक के बाद भारत बायोटेक के कोवैक्सीन से मिलने वाली सुरक्षात्मक क्षमता तथा ओमीक्रोन के स्वरूपों के खिलाफ इसके प्रभाव का अध्ययन किया गया। इस अध्ययन के नतीजे मंगलवार को बायोआरक्सिव में प्रकाशित हुए। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और भारत बायोटेक ने कहा, ''डेल्टा संक्रमण के अध्ययन में, जब हमने दूसरी तथा तीसरी खुराक के बीच सुरक्षात्मक प्रतिक्रिया की तुलना की, तो हम बूस्टर खुराक के फायदे को देख पाए। यद्यपि समूहों के बीच वायरस को निष्क्रिय करने वाली एंटीबॉडी का स्तर तुलनात्मक था लेकिन टीकाकरण की तीन खुराकों के बाद फेफड़ों की बीमारी की गंभीरता कम पायी गयी।'' दूसरे अध्ययन में तीसरी खुराक के बाद ओमीक्रोन के स्वरूपों- बीए.1 और बीए.2 के खिलाफ सुरक्षात्मक प्रतिक्रिया का अध्ययन किया गया। अध्ययन में प्लेसेबो समूहों के मुकाबले टीके की खुराक लेने वाले समूहों में कम वायरस शेडिंग, फेफड़ों का कम संक्रमण और फेफड़े की बीमारी की गंभीरता कम पायी गयी। अध्ययन में कहा गया है, ''मौजूदा अध्ययन के सबूत दिखाते हैं कि कोवैक्सीन बूस्टर टीकाकरण से सुरक्षात्मक प्रतिरक्षा बढ़ जती है और डेल्टा तथा ओमीक्रोन स्वरूप संबंधी बीमारी की गंभीरता कम हो जाती है।

पैंगबर मोहम्मद विवाद: बंगाल सरकार ने कहा, पिछले दो दिनों से कोई अप्रिय घटना नहीं हुई

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक रिपोर्ट सौंपते हुए बुधवार को कहा किभाजपा द्वारा निलंबित प्रवक्ता नुपुर शर्मा की पैंगबर मोहम्मद के खिलाफ विवादित टिप्पणियों को लेकर प्रदर्शन के दौरान पिछले दो दिनों से कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नौ जून को भड़की हिंसा तथा उसके बाद निषेधाज्ञा के उल्लंघन के संबंध में कुल 218 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्य न्यायाधीश प्रकाश श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष रिपोर्ट पेश करते हुए महाधिवक्ता एसएन मुखर्जी ने कहा कि 10 प्रभावित इलाकों के हालात का जिक्र रिपोर्ट में किया गया है, जिनमें हावड़ा, मुर्शिदाबाद और कृष्णानगर में कुछ इलाके भी शामिल हैं। याचिकाकर्ताओं ने प्रार्थना की थी राज्य सरकार को आदेश दिया जाए कि वह तत्काल केंद्रीय बलों या सेना की तैनाती करे ताकि नौ जून की हिंसा की पुनरावृत्ति न हो। छह याचिकाकर्ताओं में से एक के लिए पेश होते हुए वकील प्रियंका टिब्बरवाल ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि निर्दोष लोगों को गिरफ्तार न किया जाए और हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों की उचित तरीके से पहचान की जाए। एक अन्य वकील ने अनुरोध किया कि शांति एवं सौहार्द्र सुनिश्चित करने के लिए कुछ वक्त तक सभी धार्मिक और राजनीतिक रैलियां रोक दी जाए।

गुरुवार को हिंसा के विरोध में बजरंग दल का देशव्यापी प्रदर्शन, 'इस्लामिक जिहादी कट्टरपंथियों' के खिलाफ उठाएगा आवाज

नई दिल्ली । पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कथित टिप्पणी को लेकर देशभर में जो हिंसा और पथराव की खबर आई, वह वाकई चिंताजनक है। शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद दिल्ली से लेकर कोलकाता तक हिंसा की खबरें रहीं। रांची में तो 2 लोगों की मृत्यु हुई। अब इसी हिंसा के खिलाफ बजरंग दल देश के अलग-अलग हिस्सों में प्रदर्शन करेगा। बजरंग दल की ओर से इस बात का ऐलान किया गया है कि गुरुवार को उसके कार्यकर्ता देशभर में हुई हिंसा के विरोध में देशव्यापी प्रदर्शन करेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध संगठन ने कहा कि उसकी युवा शाखा के कार्यकर्ता बृहस्पतिवार को देशभर के जिला प्रशासन मुख्यालय में ''इस्लामिक जिहादी कट्टरपंथियों द्वारा बढ़ती चरमपंथी घटनाओं'' के खिलाफ धरना देंगे और राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को एक ज्ञापन सौंपेंगे। आपको बता दें कि भाजपा के निलंबित प्रवक्ता नूपुर शर्मा और निष्कासित नेता नवीन जिंदल द्वारा पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कथित तौर पर टिप्पणी की गई थी। इसी को लेकर 10 जून को मुस्लिम समाज की ओर से देश भर के अलग-अलग हिस्सों में प्रदर्शन किया गया था। विवाद बढ़ने के बाद भाजपा ने दोनों नेताओं को पार्टी से निकाल दिया था। विश्व हिंदू परिषद के महासचिव मिलिंद परांडे ने कहा कि देश में इस्लामिक जिहादी कट्टरपंथियों द्वारा बढ़ती चरमपंथी घटनाओं के खिलाफ विहिप की युवा शाखा बजरंग दल अब सड़कों पर उतरेगी। परांडे के नपताबिक जिहादी कट्टरपंथियों द्वारा हिंदुओं पर लगातार हो रहे हमलों के खिलाफ बजरंग दल के कार्यकर्ता बृहस्पतिवार को सभी जिला मुख्यालयों पर धरना देंगे और राष्ट्रपति को एक ज्ञापन सौंपेंगे।

उमा भारती ने मध्य प्रदेश में शराब की दुकान पर फेंका गाय का गोबर

भोपाल/ निवाड़ी ।भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता उमा भारती ने पार्टी शासित मध्यप्रदेश में पूर्ण शराबबंदी की अपनी मांग के चलते यहां निवाड़ी जिले के ओरछा कस्बे में शराब की एक दुकान पर मंगलवार रात को गाय का गोबर फेंक दिया। घटना के बाद मंगलवार को उमा भारती ने एक ट्वीट में दावा किया कि ओरछा के प्रवेश द्वार पर स्थित यह दुकान इस जगह के लिए स्वीकृत नहीं है, बल्कि यह किसी दूर गांव के लिए स्वीकृत है और पवित्र शहर ओरछा में दुकान खोलना ही महाअपराध है। हालांकि पुलिस ने कहा कि दुकान उसी स्थान पर स्थित है जहां इसे मंजूरी दी गई है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो सामने आया है जिसमें उमा भारती भोपाल से 330 किलोमीटर दूर स्थित राम राजा मंदिर के लिए प्रसिद्ध धार्मिक नगरी ओरछा में मंगलवार शाम को शराब की एक दुकान पर गाय का गोबर फेंकती नजर आ रही हैं। वीडियो में उमा भारती यह भी कहते सुनाई दे रही हैं , '' देखो, मैंने गाय का गोबर फेंका है, पथराव नहीं किया है।'' मालूम हो कि इस साल मार्च में प्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकी उमा भारती ने भोपाल के एक मोहल्ले में शराब की एक दुकान पर पथराव किया था। मंगलवार रात को लगातार ट्वीट कर उमा भारती ने कहा, '' ओरछा के प्रमुख प्रवेश द्वार पर स्थित यह दुकान इस जगह के लिए स्वीकृत ही नहीं है, यह किसी दूर गांव के लिए स्वीकृत है लेकिन यह ओरछा के मुहाने पर खुली है। इस बारे में जनता ने एवं हमारे संगठन के लोगों ने लगातार धरने प्रदर्शन किए।''

अमरनाथ गुफा के मंदिर में आयोजित की गयी पहली पूजा, 30 जून से शुरू हो रही यात्रा

नई दिल्ली। अमरनाथ यात्रा को लेकर तैयारियां जोरों पर है। 30 जून से अमरनाथ यात्रा शुरू हो रही है जो 11 अगस्त तक चलेगी। इसके साथ ही ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर अमरनाथ की पवित्र गुफा में वैदिक मंत्रोच्चार और हर-हर महादेव के जयघोष के बीच प्रथम पूजा भी की गई है। इस दौरान बाबा बर्फानी पूरे आकार में विराजमान नजर भी आ रहे हैं। प्रथम पूजा को ही अमरनाथ यात्रा का पारंपरिक शुरुआत माना जाता है। यह यात्रा शांतिपूर्ण तरीके से संचालित हो इसके लिए भगवान शिव का आशीर्वाद लिया जाता है। गुफा में श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नितिश्वर कुमार ने अधिकारियों के साथ विधिवत पूजा अर्चना की। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि भगवान शिव के भक्तों के लिए सुरक्षित और परेशानी मुक्त यात्रा बनाने का प्रबंध प्रशासन की ओर से लगातार किया जा रहा है। पिछले वर्षों की तुलना में इस बार आवाजाही और आवास क्षमता में बढ़ोतरी कर दी गई है। आपको बता दें कि 2 सालों के बाद अमरनाथ यात्रा इस बार शुरू हो रही है। 2020 और 2021 में कोरोना वायरस महामारी की वजह से यह यात्रा नहीं हो पाई थी। जबकि 2019 में भी अनुच्छेद 370 खत्म होने की वजह से इसे बीच में ही रोक दिया गया था। प्रशासन को इस बात की उम्मीद है कि इस बार अमरनाथ यात्रा में करीब 10 लाख श्रद्धालु शामिल हो सकते हैं। फिलहाल व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। यात्रा को सुगम बनाने के लिए प्रशासन के साथ-साथ सुरक्षा बलों के जवान भी जुटे हुए हैं। फिलहाल अमरनाथ यात्रा के लिए एडवांस में पंजीकरण भी किया जा रहा है। इस बार देश दुनिया के भक्तों के लिए वर्चुअल पूजा, वर्चुअल हवन और ऑनलाइन प्रसाद बुकिंग की भी विशेष व्यवस्था की गई है।

कृषि को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए सरकार कर रही प्रयास: तोमर

नई दिल्ली। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि सरकार स्कूली पाठ्यक्रम में कृषि को शामिल करने के लिए प्रयास कर रही है। कृषि मंत्री तोमर ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के कार्यक्रम को संबोधित कर कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की प्राथमिकता और ताकत है। यह प्रतिकूल परिस्थितियों में रीढ़ की हड्डी के रूप में कार्य करती है। उन्होंने नई शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के तहत स्कूली शिक्षा में कृषि पाठ्यक्रम को मुख्यधारा में लाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में पाठ्यक्रम में कृषि को एक विषय के रूप में पेश करने के लिए नीति और योजना तथा छात्रों को कृषि के विभिन्न क्षेत्रों में 'करियर' तलाशने का विकल्प प्रदान करने के बारे में चर्चा की गई। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की प्रोफेसर और पाठ्यक्रम अध्ययन विभाग की प्रमुख अनीता नूना ने कहा, 'एनईपी -2020 किताबी ज्ञाप के साथ स्कूली छात्रों के समग्र विकास में सक्षम होगा। यह छात्रों को ज्ञान को व्यवहार में बदलने के लिए भी तैयार करेगा।'

ईरान में महसूस हुए भूकंप के तेज झटके, किसी नुकसान की सूचना नहीं

दुबई। ईरान के दक्षिणी किश द्वीप के पास बुधवार को तीन बार भूकंप के झटके महसूस किये गये, जिससे दुबई और फारस की खाड़ी के अन्य क्षेत्र भी प्रभावित हुए। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वे के अनुसार, 4.7 तीव्रता के दो भूकंप आए और उसके बाद 5.3 की तीव्रता से होर्मुज जलडमरूमध्य द्वीप के पास तीसरा झटका महसूस किया गया। ईरान ने भूकंप से तत्काल किसी तरह का नुकसान होने की सूचना नहीं दी है। ईरान भूकंप के लिहाज से संवदेनशील देश हैं और वहां औसतन एक दिन में एक भूकंप का अनुभव किया जाता है। ऐतिहासिक शहर बाम में 2003 में 6.6 तीव्रता का भूकंप आया था जिसमें 26 हज़ार लोग मारे गए थे। इसके अलावा 2017 में पश्चिमी ईरान में आए भूकंप से 600 से अधिक लोग मारे गए थे और नौ हज़ार से अधिक घायल हो गए थे।

अमेरिका में 'गांधी-किंग स्कॉलरली एक्सचेंज' पहल की शुरूआत

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने 'गांधी-किंग स्कॉलरली एक्सचेंज' पहल की शुरूआत की है, जो राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और डॉ. मार्टिन लूथर किंग जूनियर के इतिहास तथा विरासत को रेखांकित करेगी। अपनी तरह की यह पहली पहल मंगलवार को शुरू की गई। पहल नागरिक अधिकारों, सामाजिक न्याय और स्थानीय, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समावेश को आगे बढ़ाने के लिए भारत और अमेरिका के 20 उभरते युवा नागरिक नेताओं को एक साथ लाएगी। विदेश मंत्रालय के 'ब्यूरो ऑफ एजुकेशनल एंड कल्चरल अफेयर्स' के अनुसार, पहल के तहत बुधवार से एक सप्ताह का ऑनलाइन कार्यक्रम और ओरिएंटेशन होगा, जिसके बाद सभी 20 युवा नेता अलबामा एंड एम यूनिवर्सिटी, हिस्टोरिकल ब्लैक कॉलेज एंड यूनिवर्सिटी (एचबीसीयू) में दो सप्ताह के एक शैक्षणिक कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। कक्षा में ज्ञान हासिल करने और चर्चा के अलावा, प्रतिभागी मोंटगोमरी, सेल्मा तथा अलबामा में बर्मिंघम, टेनिस में मेम्फिस और जॉर्जिया में अटलांटा में नागरिक अधिकार साइट का दौरा करेंगे। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जनवरी 2023 में भारतीय तथा अमेरिकी प्रतिभागी महत्वपूर्ण स्थलों और संगठनों का दौरा करने के लिए भारत में फिर से मिलेंगे।

रक्षा बजट को 2.8 प्रतिशत से घटाकर जीडीपी का 2.2 प्रतिशत किया गया : पाक सेना

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सेना ने मंगलवार को कहा कि जनता की धारणा के विपरीत वर्ष 2022-23 के लिए रक्षा बजट को जीडीपी के 2.8 प्रतिशत से घटकर 2.2 प्रतिशत कर दिया गया है। दुनिया न्यूज टीवी को दिए एक साक्षात्कार में सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल बाबर इफ्तिखार ने कहा कि लोग अक्सर रक्षा बजट के बारे में बात करते हैं, लेकिन ''सीमित संसाधनों में हम सभी जिम्मेदारियों को पूरा कर रहे हैं, जबकि भारत ने हमेशा रक्षा बजट बढ़ाया है।'' उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति बढ़ने और रुपये के कमजोर पड़ने जैसे कारकों के बाद वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए बजट आवंटन में कमी आई है। इफ्तिखार ने कहा, ''जब आप मुद्रास्फीति बढ़ने और रुपये के कमजोर पड़ने के मद्देनजर देखते हैं तो यह (रक्षा बजट) वास्तव में घट गया है। यह पिछले साल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 2.8 प्रतिशत था और अब 2.2 प्रतिशत पर है। इसलिए, रक्षा बजट जीडीपी के संदर्भ में लगातार नीचे जा रहा है।

स्विट्जरलैंड में अचानक रुका एयर ट्रैफिक, कंप्यूटर्स में आई तकनीकी खराबी

जिनेवा । स्विट्जरलैंड का हवाई क्षेत्र (एयरस्पेस) तकनीकी खराबी की वजह से बंद हो गया है। एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने जानकारी दी है कि वहां मौजूद कंप्यूटर सिस्टम में कुछ खराबी आई है, जिसकी वजह से ऐसा हुआ है। अधिकारी ने बताया कि हवाई यातायात नियंत्रण प्रणाली के साथ कुछ समस्याएं आई हैं। विशेष रूप से एक कंप्यूटर ने बुधवार को अचानक काम करना बंद कर दिया। इससे स्विट्जरलैंड के दो प्रमुख हवाई अड्डों पर टेक-ऑफ और लैंडिंग को रोका गया। विमानन अधिकारियों को अगली सूचना तक स्विस हवाई क्षेत्र को बंद रखने को कहा गया है। एयर नेविगेशन सर्विस प्रोवाइडर ने कहा, आज सुबह तकनीकी खराबी के कारण स्विस एयरस्पेस को सुरक्षा कारणों से ट्रैफिक के लिए बंद कर दिया गया है। एयरस्पेस अगले नोटिस तक बंद रहेगा।

बयान में कहा गया, स्काईगाइड जिनेवा और ज्यूरिख हवाई अड्डों पर अपने ग्राहकों, भागीदारों और यात्रियों के लिए इस घटना और इसके परिणामों के लिए खेद व्यक्त करता है। हम तकनीकी खामी को ठीक करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। ज्यूरिख एयरपोर्ट के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने भी सभी उड़ान और लैंडिंग रोक दी है। स्थानीय समयानुसार सुबह सात बजे के तुरंत बाद हॉल्ट की घोषणा की गई।

भारत से मिली नई ऋण सुविधा से चार माह का ईंधन खरीद पाएंगे: विक्रमसिंघे

कोलंबो । श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने कहा कि भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई नई ऋण सुविधा से देश को जुलाई से चार और माह के लिए ईंधन खरीदने में मदद मिलेगी। वहीं श्रीलंका में 3,500 टन एलपीजी की खेप भी पहुंच गई है। इस खेप से मिली गैस की आपूर्ति अस्पतालों, होटलों आदि को की जाएगी। विक्रमसिंघे ने कहा कि अगली खेप में चार माह के लिए एलपीजी मिलेगी। हमें यह खेप पाने में 14 दिन लगेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि ईंधन की आपूर्ति लगातार कायम रहे। हालांकि, यह हमारी मौजूदा मांग का करीब 50 प्रतिशत ही पूरा कर पाएगी। विक्रमसिंघे ने कहा कि बिजली उत्पादन, परिवहन और अन्य आवश्यक सेवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

ब्रिटेन ने शरणार्थियों को रवांडा भेजने वाली पहली उड़ान रद्द की

लंदन । ब्रिटेन ने मंगलवार देर रात उस उड़ान को रद्द कर दिया जिससे शरणार्थियों को वापस रवांडा भेजा जाना था। इससे पहले मानवाधिकारों से संबंधित यूरोपीय अदालत ने हस्तक्षेप करते हुए कहा था कि इस योजना से वास्तविक खतरा है। शरणार्थियों के वकीलों ने सरकार की सूची में शामिल प्रत्येक व्यक्ति के प्रत्यर्पण पर रोक लगाने के लिए दलीलें पेश की। विदेश मंत्री लिज ट्रुस ने पहले कहा था कि विमान उड़ान भरेगा चाहे उसमें कितने भी लोग सवार क्यों न हो। लेकिन अपील के बाद विमान में कोई भी सवार नहीं हुआ। मंगलवार की उड़ान रद्द करने का फैसला तब हुआ जब अदालत में दायर की गई अपीलों पर तीन दिनों तक बहस हुई। प्रवासी अधिकार वकीलों और श्रमिक संघों ने प्रत्यर्पण पर रोक लगाने की मांग की। चर्च ऑफ इंग्लैंड के नेताओं ने इस विरोध में शामिल होते हुए सरकार की नीति को अनैतिक बताया।

विरोध के बावजूद प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने ब्रिटेन की नीति का बचाव करते हुए दलील दी कि यह जिंदगियों को बचाने और उन आपराधिक गिरोहों को नाकाम करने का वैध तरीका है जो छोटी-छोटी नौकाओं से प्रवासियों की तस्करी करते है। गृह मंत्री प्रीति पटेल ने कहा कि वह निराश हैं कि विमान उड़ान नहीं भर सका लेकिन साथ ही कहा कि वह सही चीज करने से नहीं रुकेंगी। उन्होंने कहा ?कि हमारा कानूनी दल इस उड़ान को लेकर लिए गए प्रत्येक फैसले की समीक्षा कर रहा है और अब अगली उड़ान की तैयारियां शुरू हो गई है। रतलब है कि जॉनसन ने अप्रैल में रवांडा के साथ एक समझौते की घोषणा की थी, जिसमें गैरकानूनी रूप से ब्रिटेन में प्रवेश करने वाले लोगों को वापस प्रत्यर्पित किया जाएगा। ऐसे लोगों को स्वीकार करने के बदले रवांडा को सहायता के रूप में लाखों डॉलर मिलेंगे।

चीन ने भारतीयों पर से कोविड वीजा प्रतिबंध हटाया, चीनी विवि में पढ़ रहे 20 हजार छात्रों को मिलेगा फायदा

बीजिंग । चीन ने कोविड-19 महामारी के मद्देनजर बीजिंग द्वारा लगाए गए सख्त वीजा प्रतिबंधों के चलते दो साल से अधिक समय से भारत में फंसे भारतीय पेशेवरों और उनके परिजनों को वीजा जारी करने की योजना का ऐलान किया है। इसके अलावा, चीन सरकार चीनी विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे उन हजारों भारतीय छात्रों के आवेदनों का भी निपटारा कर रही है, जिन्होंने पढ़ाई के लिए अपने कॉलेज और विश्वविद्यालयों में लौटने की इच्छा जताई है। कोरोना से पहले लगभग 20000 भारतीय छात्र चीन में पढ़ाई करते थे। भारत स्थित चीनी दूतावास ने दो साल से अधिक समय के बाद अपनी कोविड-19 वीजा नीति को अपडेट किया है, जिसके तहत सभी क्षेत्रों में काम दोबारा शुरू करने के लिए चीन लौटने के इच्छुक विदेशी नागरिकों और उनके परिजनों से वीजा आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। यह कदम उन हजारों भारतीय पेशेवरों और उनके परिजनों के लिए बड़ी राहत है, जो 2020 से ही स्वदेश में फंसे हुए हैं। पिछले महीने चीन में रह रहे कई भारतीय पेशेवरों ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से बीजिंग पर भारत में फंसे अपने परिजनों को वापस आने की अनुमति देने का दबाव बनाने का अनुरोध किया था। नई दिल्ली स्थित चीनी दूतावास ने कहा कि भारतीयों के अलावा उन चीनी और विदेशी नागरिकों के परिजन भी अपने परिजनों या रिश्तेदारों से मिलने की खातिर वीजा के लिए आवेदन दे सकते हैं, जिनके पास चीन का स्थाई निवास परमिट है। भारतीयों (जिनमें से कुछ की शादी चीनी नागरिकों से हुई है) के अलावा विभिन्न कंपनियों के लिए काम करने वाले कई चीनी कर्मचारी भी बीजिंग के वीजा प्रतिबंधों और उड़ानें रद्द होने के कारण भारत में फंसे हुए थे। हालांकि, चीनी दूतावास ने स्पष्ट किया है कि पर्यटन और निजी उद्देश्यों के लिए वीजा सेवा अभी भी निलंबित रहेगी।

दोहा में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मैडुरा ने कतर के विदेशमंत्री सोल्तन बन साद से मुलाकात की।

मोदी और बाइडन अगले महीने 'आई2यू2' शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे: व्हाइट हाउस

वाशिंगटन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, इजरायल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाह्यान अगले महीने आयोजित होने वाले ऑनलाइन शिखर सम्मेलन 'आई2यू2' में हिस्सा लेंगे।

व्हाइट हाउस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस ने कहा कि चारों नेता शिखर सम्मेलन के दौरान खाद्य सुरक्षा संकट और सहयोग के अन्य क्षेत्रों को लेकर चर्चा करेंगे।

बाइडन प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने संवाददाताओं से कहा कि चार देशों के इस ऑनलाइन शिखर सम्मेलन को 'आई2यू2' नाम दिया गया है, जो 13 से 16 जुलाई तक बाइडन की पश्चिम एशियाई देशों की यात्रा के दौरान आयोजित होगा। बाइडन ने मंगलवार को पुष्टि की कि वह अगले महीने सऊदी अरब की यात्रा पर जाएंगे और उसके नेताओं से मुलाकात करेंगे। बाइडन 13 से 16 जुलाई तक पश्चिम एशिया की अपनी पहली यात्रा के दौरान इजराइल, वेस्ट बैंक और सऊदी अरब का दौरा करेंगे।

ताइवान ने बनाई सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल यून फेंग, बीजिंग तक मचा सकती है तबाही

ताइपे (एजेंसी)।

चीन की धमकियों से जूझ रहे ताइवान ने ड्रैगन के खतरे से निपटने के लिए स्वदेशी सुपरसोनिक मिसाइल यून फेंग बनाने में सफलता हासिल की है। यह मिसाइल चीन की राजधानी बीजिंग तक तबाही मचाने में सक्षम है। ताइवान की विधाई सभा के अध्यक्ष यूसी कून ने इस मिसाइल का हवाला देकर चीन को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा ताइवान पर हमला करने से पहले चीन दो बार सोच ले। योउ ने यह चेतावनी ऐसे समय दी है जब ताइवान के समुद्री इलाके पर ड्रैगन ने अपनी संप्रभुता का दावा किया है।

चीन ने पहली बार यह दावा किया है कि ताइवान स्ट्रेट एक अंतरराष्ट्रीय समुद्र नहीं है। ताइवान ओवरसीज नेटवर्क के समक्ष दिए अपने भाषण में यू सी कून ने ताइवान चीन के खिलाफ अपनी गुप्त मिसाइल का इस्तेमाल करने से परहेज नहीं करेगा। उन्होंने बताया कि ताइवान अपनी सेना को सुपरपावर चीन से होने वाली किसी जंग से निपटने के लिए आत्मनिर्भर बनाने की योजना पर काम कर रहा है।

ताइवानी नेता ने ताइवान की तुलना यूक्रेन से करते हुए कहा कि हम अपनी संप्रभुता की रक्षा करेंगे और उन्हें इसके लिए तैयार रहना होगा। माना जा जाता है कि ताइवान ने यून फेंग क्रूज मिसाइल का विकास 1996 में ताइवान

स्ट्रेट संकट के पैदा होने के बाद किया था। उस समय चीन ने कई मिसाइल परीक्षण करके ताइवान को डराने की कोशिश की थी। माना जाता है कि ताइवान की इस क्रूज मिसाइल की मूल रूप से रेंज 1000 किमी थी लेकिन इसके अपडेट वर्जन की मारक क्षमता अब 2000 किमी तक पहुंच गई है।

ताइवान मिसाइल की 2000 किमी की क्षमता की वजह से वह अब चीन की राजधानी बीजिंग तक को निशाना बनाने में सक्षम हो गया है। बीजिंग ताइवान से करीब 2000 किमी की दूरी पर स्थित है। चीन लगातार ताइवान को जंग की धमकी दे रहा है। चीन ने कहा कि अगर बातचीत से मामला नहीं सुलझा तो वह ताकत के बल पर ताइवान पर कब्जा कर लेगा। चीन और ताइवान को बांटने वाले संकरे समुद्री रास्ते को लेकर ताइवान और चीन के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। अमेरिका अक्सर ताइवान के समर्थन में अपने युद्धपोतों को इस रास्ते से भेजता है, जिससे चीन बुरी तरह चिढ़ जाता है। अमेरिका और अन्य देशों का मानना है ताइवान स्ट्रेट एक अंतरराष्ट्रीय समुद्र है।

वैश्विक स्तर पर मंकीपॉक्स का बढ़ता प्रकोप चिंताजनक: डब्ल्यूएचओ प्रमुख

संयुक्त राष्ट्र/जिनिवा (एजेंसी)।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक टेड्रोस अधनोम गेब्रेयेसस ने मंगलवार को कहा कि मंकीपॉक्स का वैश्विक प्रकोप 'स्पष्ट रूप से असामान्य और चिंताजनक' है। गेब्रेयेसस ने यह आकलन करने के लिए अगले सप्ताह एक आपातकालीन समिति की बैठक बुलाने की घोषणा की है कि क्या यह प्रकोप अंतरराष्ट्रीय चिंता वाले एक जनस्वास्थ्य आपातकाल की तरफ इशारा करता है। घेब्रेयसस ने मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि इस साल अब तक डब्ल्यूएचओ को 39 देशों से मंकीपॉक्स के 1,600 से अधिक पुष्ट और लगभग 1,500 संदिग्ध मामलों की जानकारी दी गई है, जिनमें सात ऐसे देश शामिल हैं, जहां मंकीपॉक्स के मामले वर्षों से सामने आते रहे हैं, जबकि 32 नये प्रभावित देश हैं। इसके अलावा, इस साल अब तक पहले से प्रभावित देशों से 72 लोगों की मौत की सूचना मिली है। वहीं, नये प्रभावित देशों में अब तक किसी की मौत नहीं हुई है। हालांकि, डब्ल्यूएचओ ब्राजील से मंकीपॉक्स से संबंधित एक मौत की सूचना को सत्यापित करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा, ''मंकीपॉक्स का वैश्विक प्रकोप स्पष्ट रूप से असामान्य और चिंताजनक है। यही कारण है कि मैंने अगले सप्ताह अंतराराष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियमों के तहत आपातकालीन समिति की बैठक बुलाने का फैसला किया है, ताकि यह आकलन किया जा सके कि क्या यह प्रकोप अंतरराष्ट्रीय चिंता वाले एक जनस्वास्थ्य आपातकाल की तरफ इशारा करता है।

बढ़ रहे गर्भपात के मामले, पांच में से एक गर्भवती महिला ने कराया गर्भपात

वाशिंगटन।(एजेंसी)।

अमेरिका में गर्भपात कराने के मामलों वृद्धि हुई है। लंबे समय तक मामले कम होने के बाद गर्भपात के मामलों की संख्या में 2017 की तुलना में 2020 में बढ़ोतरी दर्ज की गई। बुधवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। गर्भपात के अधिकारों का समर्थन करने वाले एक शोध समूह, 'गुट्टमाकर इंस्टीट्यूट' की रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में अमेरिका में 9,30,000 से अधिक गर्भपात के मामले सामने आए जबकि यह आंकड़ा 2017 में करीब 8,62,000 था।

वर्ष 2017 में राष्ट्रीय स्तर पर गर्भपात के आंकड़े 1973 के अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद से सबसे कम थे।न्यायालय ने 1973 के अपने फैसले में देशभर में गर्भपात की प्रक्रिया को वैध बना दिया था। रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में हर पांच गर्भवती महिलाओं में से एक ने गर्भपात कराया। यह आंकड़े ऐसे समय में बढ़ रहे हैं, जब शीर्ष अदालत 1973 के फैसले को पलटने की तैयारी में है। जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य कानून एवं नीति की प्रोफेसर सारा रोसेनबाउम ने कहा कि गर्भपात कराने वाली महिलाओं की संख्या एक आवश्यकता को दर्शाती है और 'इस बात को रेखांकित करती है कि सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय एक अत्यंत महत्वपूर्ण सेवा तक पहुंच के लिए कितना विनाशकारी हो सकता है।' 'गुट्टमाकर इंस्टीट्यूट' के अनुसार, 2020 में सामने आए मामलों में से 54 प्रतिशत महिलाओं ने गर्भपात के लिए दवाओं का सहारा लिया, जिसके लिए उन्होंने 'गर्भपात की गोली' आदि ली।

यूपी हिंसा के आरोपियों पर चला बुलडोजर तो इमरान खान को हुआ दर्द, ट्वीट कर उगला जहर

इस्लामाबाद।(एजेंसी)।

पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ नूपुर शर्मा के कथित विवादित टिप्पणी को लेकर देश में खूब विरोध प्रदर्शन हुआ। जुमे की नमाज के बाद उत्तर प्रदेश के भी कई शहरों में प्रदर्शन हुआ जिसमें पथराव और आगजनी भी की गई। इसके बाद से उत्तर प्रदेश सरकार एक्शन में आ गई है। हिंसा के मुख्य आरोपियों के घरों पर बुलडोजर से कार्रवाई की जा रही है। भारत में बुलडोजर की कार्रवाई हो रही है तो पाकिस्तान को दर्द हो रहा है। यही कारण है कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने ट्वीट कर फिर से भारत के खिलाफ जहर उगला है। अपने ट्वीट में इमरान खान ने लिखा कि यह चौंकाने वाला है कि भारतीय अधिकारियों ने पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ भाजपा प्रवक्ता के ईशनिंदा बयानों का विरोध करने वाले भारतीय मुसलमानों के घरों को ही नष्ट कर दिया।

इसके साथ ही इमरान खान ने अपने ट्वीट में यह भी लिखा कि भारत ने अपने मुस्लिम नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता दिखाने की बजाय उनके घरों को ही ध्वस्त कर दिया। दुनियाभर के मुसलमान बहुत आहत हुए हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि यह अमानवीय, फासीवादी कार्रवाई पूरी तरीके से निंदनीय है। आपको बता दें कि प्रयागराज में 10 जून को जुमे की नमाज के बाद जो हिंसा हुई थी। उसके मास्टरमाइंड जावेद मोहम्मद के घर को प्रयागराज डेवलपमेंट अथॉरिटी ने नष्ट कर दिया। जावेद मोहम्मद की पत्नी का दावा है कि अगर उनके पति नहीं बल्कि उनके नाम पर था। इतना ही नहीं, खबर यह भी है कि उत्तर प्रदेश सरकार आगे भी कई घरों पर बुलडोजर की कार्रवाई कर सकती है। लेकिन बड़ा सवाल यही है कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई से पाकिस्तान को दर्द क्यों हो रहा है?

अब तक 350 लोग गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश पुलिस ने पैगंबर मोहम्मद पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की निलंबित प्रवक्ता नुपुर शर्मा की कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के सिलसिले में अब तक कुल 13 प्राथमिकियां दर्ज कीं और इस मामले में 350 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। राज्य के नौ जिलों में शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद शर्मा की कथित टिप्पणी के खिलाफ प्रदर्शन किये गये थे। अपर पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने मंगलवार की शाम यहां जारी एक बयान में बताया, राज्य के नौ जिलों से 350 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और इस संबंध में नौ जिलों में 13 प्राथमिकियां दर्ज की गईं।'' जिलेवार ब्यौरा देते हुए कुमार ने बताया, प्रयागराज में 92, सहारनपुर में 84, हाथरस में 55, आंबेडकर नगर में 41, मुरादाबाद में 40, फिरोजाबाद में 20, अलीगढ़ में छह, जालौन में पांच और लखीमपुर खीरी में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

रूस अब अपने अंतरिक्ष कार्यक्रमों में खुद ही बढेगा आगे

-यूक्रेन यूद्ध के कारण बदल रहे अंतरिक्ष मामलों में भी समीकरण

मास्को (एजेंसी)।

पश्चिमी देशों से सहयोग छूटने के बाद रूस ने अपने अंतरिक्ष कार्यक्रमों में खुद ही आगे बढ़ने का इरादा कर लिया है। हाल ही में रूसी स्पेस एजेंसी रोसकोसमोस के प्रमुख दिमित्री रोगोजिन ने कहा है कि उनका देश जर्मन सैटेलाइट को खुद चलाएगा जिसे दोनों देशों के संयुक्त अभियान के तहत अंतरिक्ष में भेजा गया था।पिछले तीन महीने से भी ज्यादा समय से रूस यूरोप और पश्चिमी देशों के बीच अंतरिक्ष सहयोग बंद है। इससे प्रभावित होने वाले अभियानों में जर्मनी का इरोसिटा सैटेलाइट भी जिसे रूस के एआरटी-एक्ससी टेलीस्कोप के साथ मिल कर काम करना था।

इस अभियान के जरिए वैज्ञानिक गहरे अंतरिक्ष में मौजूद सुपरमासिव ब्लैक होल का अध्ययन करने वाले थे। लेकिन रूस यूक्रेन युद्ध के बाद से यह अभियान बंद है। यह एक्स रे टेलीस्कोप रूस और जर्मनी का संयुक्त अभियान था, लेकिन यूरोपीय स्पेस एजेंसी के रूस के बाइकोनोर प्रक्षेपण केंद्र से अपना स्टाफ हटाने से यह बंद है। रोगोजिन ने एक टेलीविजन इंटरव्यू में कहा कि रूसी विशेषज्ञों का इस बात पर जोर है कि उन्हें अपना काम जारी रखना चाहिए। रोगोजिन ने कहा कि रूसी विशेषज्ञ टेलीस्कोप को बंद रखने की जर्मनी की मांग के बाद भी इसे चालू करना चाहते हैं और उन्होंने रूस के स्पैक्टर- आरजी सिस्टम के इस जर्मन टेलीस्कोप का काम शुरू करने के निर्देश दिए हैं जिससे रूस वह रूसी टेलीस्कोप के साथ काम कर सके।

इस पर अंतिम फैसला जल्दी ही लिया जा सकता है।रूसी स्पेस एजेंसी प्रमुख ने कहा कि वो लोग, जिन्होंने टेलीस्कोप बंद करने का फैसला लिया है, उन्होंने मानवता के लिए किए जा रहे इस शोध को रोकने का कोई भी नैतिक अधिकार नहीं हैं, वह भी सिर्फ इसलिए कि हमारे दुश्मनों के सोच फासीवादी सोच के करीब है। रोगोजिन ने अपने देश के यूक्रेन हमले को पूरी तरह से सही और उचित बताया। इसी बीच रूस के अंदर और बाहर दोनों के विशेषज्ञों ने ही चेतावनी दी है कि इस टेलीस्कोप को रूस को अकेले ही शुरू नहीं करना चाहिए। इससे इस अभियान को नुकसान पहुंच सकता है और अगर इसे शुरू करना ही है तो जर्मनी की टीम से सलाह पर ही करना चाहिए। रूसी खगोलभौतिकविद राशिद सुनयाएव का कहना है कि ऐसे हालात में एकतरफा कदम लोगों के बीच और ज्यादा अविश्वास ही पैदा करेगा। रूसी- जर्मन का यह संयुक्त प्रयास स्कैक्ट्रम रोएंटजन-गामा अभियान है जिसमें ईरोसिटा प्राथमिक उपकरण है। इस अभियान को रूस के बाइकोनोर से 13 जुलाई 2019 को प्रक्षेपित किया था। इस अभियान का लक्ष्य 50-100 हजार गैलेक्सी समूहों के गर्म अंतरगैलेक्सी माध्यम की और साथ ही पास की गैलेक्सी में सुपरमासिव ब्लैक होल की पहचान करना है। रोगिजिन पहले ही कह चुके हैं कि यूक्रेन युद्ध के कारण लगे प्रतिबंधों के कारण अब यूरोप से सहयोग लेना असंभव हो गया है। यूरोप ने बीते मार्च में ही रूस के साथ संयुक्त एक्सोमार्स अभियान को रद्द कर दिया और तब से वह अपने रोवर अभियान के लिए बेहतर विकल्प की तलाश में लगा है। वहीं रूसी स्पेस एजेंसी ने भी फ्रेंच गुयाना के यूरोपीय स्पेस पोर्ट कोउरोउ से अपना स्टाफ वापस बुला लिया है। मालूम हो कि रूस यूक्रेन युद्ध ने ना केवल दुनिया की राजनीति के समीकरण बदले हैं।

सुविचार महान सौंदर्य, अत्यधिक ताकत, बहुत धन का वास्तव में कुछ खास उपयोग नहीं है। एक सच्चा हृदय सबसे ऊपर है। - बेंजामिन फ्रेंकलिन

संपादकीय

तर्कशीलता को संबल

निस्संदेह, आस्था व्यक्ति का निजी मामला है। उसका सम्मान होना लाजिमी है। लेकिन हमें समाज को जागरूक बनाने की जरूरत है कि किसी मुद्दे पर असहमति का विरोध लोकतांत्रिक तरीके से किया जाना चाहिए। विरोध करना चाहिए लेकिन संवैधानिक दायरे में ही। हाल के दिनों में कुछ विवादास्पद बयानों के बाद देश के कई राज्यों में भड़की हिंसा हमारी गंभीर चिंता का विषय है। निस्संदेह, इस संकट के मूल में निहित स्वार्थी तत्वों ने आग में घी डालने का काम किया है जिसके मूल में राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं से भी इनकार नहीं किया जा सकता। कई देशी-विदेशी ताकतें हमारे विकास के इरादों पर पानी फेरने को तैयार बैठी होती हैं। ऐसे मामलों में शासन की सख्ती अपनी जगह है लेकिन ऐसे संवेदनशील मुद्दों को रचनात्मक नजरिये से भी सुलझाना चाहिए। निस्संदेह, आस्था से जुड़े प्रतिरोध राष्ट्र से बड़े नहीं हो सकते। हमें न्यायिक व्यवस्था में भी विश्वास करना चाहिए। लेकिन इसके अतिरिक्त सत्तातंत्र को भी अपनी विश्वसनीयता बरकरार रखनी चाहिए ताकि आक्रोश को काबू में किया जा सके। यह विडंबना ही है कि ऐसे समय में जब देश कोरोना संकट से उपजे जख्मों से उबरने की कोशिश में है और रूस-यूक्रेन युद्ध से बाधित विश्व आपूर्ति श्रृंखला से महंगाई की त्रासदी सामने है, हम धार्मिक मुद्दों के विवाद में देश को हिंसा की आग में झोंक दें। निस्संदेह, ऐसी हिंसक कोशिशें समाज में अविश्वास की खाई को और गहरा ही करती हैं। ऐसे टकराव व हिंसा से अंततः आम आदमी को कीमत चुकानी पड़ती है। खासकर उस वर्ग को जो रोज कमाकर दो जून की रोटी का जुगाड़ करता है। यह वर्ग ज्यादा संवेदनशील होता है और जल्दी प्रतिक्रिया देकर आत्मघाती कदम उठाने से नहीं चूकता। हिंसा में जो सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान होता है उसकी कीमत भी आम आदमी को चुकानी पड़ती है। यह विडंबना ही है कि 21वीं सदी में हम सोलहवीं सदी जैसे धार्मिक टकरावों में उलझे हैं जिसकी कीमत आखिरकार हमें ही चुकानी पड़ती है। इसमें दो राय नहीं कि किसी विवाद में संवाद व सहमति की राह में पत्थरबाजी से कोई समाधान संभव नहीं है। सभी समुदायों के जिम्मेदार लोगों की ओर से आग भड़काने के बजाय रचनात्मक पहल के जरिये विवाद का पटाक्षेप करने का प्रयास होना चाहिए। अन्यथा देश व समाज में अस्थिरता का वातावरण विकसित होगा। हमारे समाज में तर्कशीलता के अभाव में शरारती तत्व ऐसे विवाद को अपने खतरनाक मंसूबों के अवसर में बदल देते हैं। यदि समाज विवेकशील हो तो असामाजिक तत्वों को ऐसे विवादों का लाभ उठाने का अवसर नहीं मिल पायेगा। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि सभी धर्मों में ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो ऐसे मौकों को अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के अवसर के रूप में देखते हैं। जिसके चलते उन्मादी लोग हिंसक भीड़ के रूप में सामने आते हैं। बहुत संभव है कि इसके मूल में कुछ लोगों का असुरक्षाबोध भी हो। साथ ही विभिन्न मुद्दों को लेकर पैदा आक्रोश इस हिंसक विरोध को विस्तार देता हो। ऐसे में इस बात का पता लगाना भी जरूरी है कि इस भीड़ को हिंसक बनाने में किन तत्वों की भूमिका रही है। यहां खुफिया एजेंसियों की विफलता का भी प्रश्न है जो इतने बड़े पैमाने पर हुई हिंसा का पूर्व आकलन नहीं कर पाईं। यह ज्वलंत प्रश्न सामने है कि हम क्यों ऐसा तर्कशील समाज नहीं बना पाये जो धार्मिक उन्माद, अफवाहों और राजनीतिक दलों के घातक मंसूबों को समझे व हिंसक भीड़ का हिस्सा न बने। कई आलोचक प्रश्न उठाते रहे हैं कि भारत जैसे आर्थिक विषमता तथा निरक्षरता वाले देश में हम लोकतांत्रिक दृष्टि से परिपक्व नागरिक तैयार नहीं कर पाये।

आज के कार्टुन

दोस्ती

आचार्य रजनीश ओशो/ मेरे कई दोस्त हैं, लेकिन संकट के इस समय में सवाल आयाः सच्चा दोस्त कौन है? 'आप गलत छोर से पूछ रहे हैं। कभी मत पूछो, 'मेरा असली दोस्त कौन है?' पूछो, 'क्या मैं किसी का सच्चा दोस्त हूं?' यही सही सवाल है। आप दूसरों के बारे में चिंतित क्यों हैं वे आपके मित्र हैं या नहीं? 'कहावत हैः जरूरतमंद दोस्त ही दोस्त होता है, लेकिन गहरे में वह लालच है! वह दोस्ती नहीं है, वह प्यार नहीं है। तुम दूसरे को साधन के रूप में उपयोग करना चाहते हो, और कोई भी मनुष्य साधन नहीं है, प्रत्येक मनुष्य अपने आप में साध्य है। तुम इतने चिंतित क्यों हो कि असली दोस्त कौन है? 'असली सवाल यह होना चाहिएः क्या मैं लोगों के अनुकूल हूं?' दोस्ती की मेरी समझ गलत है तो दोस्ती क्या है? 'दोस्ती बिना किसी जैविक पहलू के प्यार है। यह वह मित्रता नहीं है जिसे आप साधारणतया समझते हैं ः प्रेमी, प्रेमिका। जीव विज्ञान से जुड़े किसी भी रूप में मित्र शब्द का प्रयोग सरासर मूर्खता है। यह मोह और पागलपन है। आपका उपयोग जीव विज्ञान द्वारा प्रजनन उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। अगर आपको लगता है कि आप प्यार में हैं, तो आप गलत हैं; यह सिर्फ हार्मोनल आकषर्ण है। हार्मोन के इंजेक्शन से ही पुरु ष स्त्री बन सकता है और स्त्री पुरु ष बन सकती है। 'दोस्ती बिना किसी जैविक पहलूके प्यार है। यह एक दुर्लभ घटना बन गई है। अतीत में यह बहुत अच्छी बात हुआ करती थी, लेकिन अतीत में कुछ महान चीजें पूरी तरह से गायब हो गई हैं। बड़ी अजीब बात है कि कुरूप चीजें जिद्दी होती हैं, और सुंदर चीजें बहुत नाजुक होती हैं, वे मर जाती हैं और बहुत आसानी से गायब हो जाती हैं। 'आज मैत्री को या तो जैविक शब्दों में समझा जाता है या आर्थिक दृष्टि से, या समाजशास्त्रीय शब्दों में परिचित के संदर्भ में, एक प्रकार का परिचय।' 'यह मैत्री अभी भी वैसे ही संभव है जैसे आप अभी हैं। ऐसी मैत्री बेहोश लोगों की भी हो सकती है, लेकिन अगर आप अपने होने के प्रति ज्यादा जागरूक होने लगें तो मैत्री मित्रता में बदलने लगती है। मित्रता का एक व्यापक अर्थ है, एक बहुत बड़ा आकाश। 'मैत्री की तुलना में मित्रता एक छोटी सी चीज है। मैत्री टूट सकती है; मित्र शत्रु बन सकता है। मैत्री के सच में यह संभावना अंतर्निहित रहती है। 'यह मनुष्य की अचेतन अवस्था है जहां प्रेम अपने ठीक पीछे घृणा छिपा रहा है, जहां आप उसी व्यक्ति से घृणा करते हैं, जिससे आप प्रेम करते हैं लेकिन आप इसके प्रति जागरूक नहीं हैं।'

विसंगतियों से जूझते हुए परिवर्तन की राह

सुरेश सेठ

वे कभी-कभी इस देश की समस्याओं की नब्ज की सही पड़ताल कर लेते हैं। पिछले दिनों एक ऐसा ही वक्तव्य सामने आया कि जब यहां बड़े उत्साह और कोलाहल के साथ नयी विकास योजनाओं की घोषणा हो जाती है और बरसों बीत जाने के बाद भी वे पूरी नहीं होती, अधबनी सड़कें, अधूरे पुल और बीच में ही बन्द कर दिये गये निर्माण कार्य नजर आते हैं। तब आम आदमी अपने आपको प्रवंचित अनुभव करता है। सफल जिंदगी जीने के शॉर्टकट तलाश करता है, और किसी न किसी कन्धे का सहारा लेकर अपने जीवन के यथास्थिति वाद से ऊपर उठने का प्रयास करता है। अपने जैसे चन्द लोगों को हथेली पर सरसों जमा रंक से राजा हो जाते देखता है, तो वह अपने ऊपर एक ऐसी भ्रष्ट संस्कृति को थोपा हुआ पाता है कि उससे निजात पाने का उसे कोई मार्ग नजर नहीं आता। अन्ततः वह भी उसी संस्कृति का एक कलपुर्जा मात्र बना हुआ अपने आपको पाता है। पिछले दिनों विश्व के देशों में जड़ जमा चुके भ्रष्टाचार की डिग्री का एक आकलन हुआ। पाया गया कि इन देशों में भ्रष्ट आचरण लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का एक अनिवार्य अंग बन चुका है। उसके परिणाम के रूप में बड़े आदमियों से लेकर मध्यजनों तक जुड़ा रहना। एक ऐसी संपर्क संस्कृति कि जिसको अपनाये बिना शिक्षा, नौकरी या व्यवसाय का कोई मार्ग भारत में आम आदमी के लिए खुलता नहीं। वैसे यह चाहे केंद्रीय धरातल हो या राज्य स्तर, सरकार से लेकर नौकरशाही तक हर जगह आम जीवन से भ्रष्टाचार को मिटा देने की घोषणायें होती रहती हैं। अभी इस देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी शासन पारी के आठ वर्ष पूरे किये। इस मौके पर उत्सवधर्मी घोषणाओं में से एक घोषणा यह भी की कि उनकी सरकार ने अपनी पूर्ववर्ती सरकारों से बिल्कुल अलग हटकर हर कदम पर भ्रष्टाचार से लोहा लेने का प्रयास किया है। पंजाब में बदलाव की चाह रखने वाले वोटर परिवर्तन की गारंटी देने वाली आप पार्टी की सरकार लाये हैं। इस सरकार ने भी घोषणा की है कि उसने बीस दिन में इस राज्य से भ्रष्टाचार को खत्म कर दिया। लेकिन आज स्थिति यह है कि इस सरकार के सेहत मंत्री जिन्हें इस राज्य में सेहत क्रांति की जिम्मेदारी सौंपी गयी थी, वे फंसे हैं। इसकी सूत्रधार दिल्ली की केजरीवाल सरकार के दिल्ली मॉडल में मुहल्ला क्लीनिकों की स्थापना को सरंजाम देने वाले मंत्री महोदय भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण कानून की गिरफ्त में हैं। यही नहीं, धनशोधन भी एक ऐसी प्रवृत्ति के रूप में देश के आर्थिक जीवन में कदम जमा चुका है, कि सत्तापक्ष और विपक्ष के बड़े-बड़े नेता इसके अवैध इस्तेमाल के कारण कानूनी जांच और दंड प्रक्रिया के आमने-सामने होते रहते हैं। चाहे वे पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चन्नी के भानजे, भतीजे हों या देश के मुख्य विपक्षी दल की सर्वेसर्वा। कहा जाता है कि कोरोना काल में डिजीटल मुद्रा अथवा आभासी मुद्रा का प्रचलन इसका सुविधाजनक मार्ग बन चुका है। लेकिन इस पर कारगर नियंत्रण कर लेने के कोई प्रयास अभी देश की वित्त नीति के स्तर पर सफल नहीं हो सके, वित्तमंत्री की भारी कर लगाने की घोषणाओं के बावजूद। वैसे आदर्श भारत का नाम लेकर देश में नैतिक मूल्यों और आदर्शों के नवजागरण का मंचीय कोलाहल करने में कोई भी स्वनाम धन्य नेता कम नहीं रहता। लेकिन जब-जब चुनाव होते हैं, तो उसमें सत्ता के लिए कूदने वाले उम्मीदवारों के दामन पर प्रायः अपराध के आरोपों के छींटे होते हैं। देश का दंड विधान अपना निर्णय घोषित करने में समय लगाता है, और मुकदमों की सुनवायी तारीख पर तारीख के मृग जाल में फंसी दिखायी देती है। इसलिए यह विधानसभायें हों, या भारतीय संसद के निर्वाचित प्रतिनिधि- सब जगह इनके दामन पर आरोपों के छींटे साफ नजर आते हैं। ऐसी अवस्था में जब सत्ता पक्ष अथवा विपक्ष की बेंचों से यही निर्वाचित प्रतिनिधि शुचिता और नैतिकता की दुहाई देते नजर आते हैं या देश में नव आदर्शों और नव जागरण का संदेश देने की बात करते हैं, तो बड़ा अजब लगता है। चाहे सब ओर भारतीय लोकतंत्र की गरिमा का बखान करते हुए यह कहा जाता है कि यहां वोटर के पास अपार शक्ति है। वह इस शक्ति का प्रयोग करके इस देश में राष्ट्रपति अथवा प्रधानमंत्री की कुर्सी पर किसी गरीब से गरीब अथवा कमजोर से कमजोर आदमी को बिठा सकता है। लेकिन वस्तुतः ऐसा होता नहीं। देश के राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक जीवन में धनिक घराने कहीं बहुत गहरे धंसे हुए दिखायी देते हैं। हमारे देश का संविधान प्रजातान्त्रिक समाजवाद की स्थापना का नाम लेता है, लेकिन पिछले चन्द वर्षों में डॉ. मनमोहन सिंह के आर्थिक उदारवाद का स्थान सार्वजनिक-निजी क्षेत्र की भागीदारी के नाम पर निजी क्षेत्र ने ले लिया है। कारण यह बताया जा रहा है कि सार्वजिनक क्षेत्र की नौकरशाहों की लालफीताशाही की कछुआ चाल ने हमें विकास मार्ग से खदेड़ दिया था। अब देखना है कि राष्ट्रीयकृत क्षेत्रों में भी निजी क्षेत्र की भागीदारी उसे द्रुत या खरगोश चाल बख्शेगी। खैर वक्त बदलने के साथ-साथ आर्थिक नीतियों के सुधार और परिवर्तन की गुंजायश हमेशा रहती है। इस परिवर्तन को चाहे डिजीटल मार्ग के साथ लाया जाये या ऑनलाइन क्रांति के साथ। फिर स्वतः स्फूर्त भारत का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए कोई भी क्षेत्र अस्पृश्य नहीं है, चाहे वह निजी क्षेत्र हो या सार्वजनिक क्षेत्र। लेकिन निजी क्षेत्र की ओर अतिरिक्त झुकाव भ्रष्टाचार

के नये दरवाजे न खोल दे, इसका ध्यान हमेशा रखना होगा। यह सत्य समझा जाता है और याद रहना चाहिये कि निजी क्षेत्र लाभभावना से प्रेरित होता है, और सार्वजनिक क्षेत्र जनकल्याण भावना से। द्रुत आर्थिक विकास की दौड़ में देशी-विदेशी निजी निवेश को भारत की ओर आकर्षित करना है। यह इक्कीसवीं सदी की आवाज है। लेकिन इस अंध दौड़ में कहीं देश का साधारण जन और उसके हित उपेक्षित न हो जायें, इसका ध्यान रखना होगा। परन्तु अभी कोरोना काल से मुक्त होते भारत में जो सर्वेक्षण आंकड़े सामने आ रहे हैं, वह यही बताते हैं कि इस विकटकाल में अरबपति तो खरबपति हो गये लेकिन देश का आम आदमी कम आपूर्ति, कम रोजगार, अधिक महंगाई और अधिक भ्रष्टाचार के संकट में कुछ इस कदर घिर गया है कि विभिन्न राज्यों से, जिनमें पंजाब भी शामिल है, हत्याओं से अधिक आत्महत्याओं के मामले रिपोर्ट हो रहे हैं। अच्छे-भले काम पर लगे नौजवान महामारी की विभीषिका से पैदा आर्थिक मंदहाली के कारण बेकार हो गये हैं। इन बेकार हो गये युवकों में से एक बड़ी संख्या अपने गांव-घरों की ओर वापस पलायन कर गयी है, जहां कोई क्रांति नहीं घटी, उनकी रोजी-रोटी का कोई ठौर-ठिकाना आज भी नहीं है। यह ठिकाना बन सकता है अगर यहां लघु और कुटीर उद्योगों के विकास के साथ विनिर्माण की एक नयी दुनिया रच दी जाये। किताबी भाषणों और घोषणाओं के स्तर पर तो यह रच भी दी गयी है। लेकिन इसके कदम अभी उभरकर ग्रामीण जिंदगी को सराबोर नहीं कर सके। जिस दिन इनकी घोषणायें यथार्थ हो जायेंगी, तब निश्चय ही ग्रामीण भारत स्वर्णिम भारत कहलाने लगेगा।

लेखक साहित्यकार हैं।

विश्व कछुआ दिवस

(16 जून) (जीवदया एवं संरक्षण /लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

कछुआ और Turtle कछुआ दोनों ही टेस्टुडाइन्स के हैं। बोनी खोल में शरीर ढके होने के कारण सभी कछुए कछुआ होते हैं। कछुए पतले होते हैं खोल कवर लेकिन कछुआ केवल उनके ऊपरी शरीर पर गोल आकार का खोल होता। कछुए पानी में रहते हैं, या अपना अधिक या अधिकांश समय पानी में बिताते हैं। कछुओं के रेटिना में असामान्य रूप से बड़ी संख्या में कोशिकाओं के होने से ये आसानी से रात के अंधेरे में देख लेते हैं। यह रंगों को देख सकते हैं और पराबैंगनी किरणों से लेकर लाल रंग तक को देख सकते हैं। कुछ भूमि में पाये जाने वाले कछुओं में तेजी की बहुत कमी देखने को मिलती है, इस तरह की कमी ज्यादातर शिकारियों में होती है, जो अचानक तेजी से शिकार को शिकार बना लेते हैं। हालांकि कुछ मांसाहारी कछुए अपने सिर को तेजी से स्थानांतरित करने में सक्षम हैं। दुनियाभर के विभिन्न हिस्सों में कछुए का शिकार और तस्करी की जाती है. कई प्रजातियों की घटती संख्या को देखते हुए और लोगों को कछुआ संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए हर साल 16 जून को विश्व कछुआ दिवस मनाया जाता है

कछुओं के बारे में हैरान करने वाले तथ्य

क्या आप जानते हैं कि कछुआ पृथ्वी पर सबसे अधिक दिन तक जिंदा रहने वाला जीव है? वैज्ञानिकों का दावा है कि इनका अस्तित्व धरती पर करोड़ों साल पुराना है. कुछ साल पहले वैज्ञानिकों को कछुए का एक 12 करोड़ साल पुराना जीवाश्म मिला था.

1. जीते हैं सबसे लंबा जीवन!

माना जाता है कि कछुओं की उम्र 150-200 साल के करीब होती है. ये हाल-फिलहाल के जीव नहीं है, बल्की धरती पर इनका अस्तित्व करोड़ों साल पुराना है. कछुए सांप, छिपकली और मगरमच्छ से पहले भी धरती पर रह रहे हैं.

2. कर चुके हैं अंतरिक्ष की यात्रा

यह जीव अंतरिक्ष तक की यात्रा भी कर चुका है. सन 1968 में सोवियत संघ ने दो कछुओं सहित कई जानवरों के साथ एक अंतरिक्ष यात्रा शुरू की थी. अंतरिक्ष में एक सप्ताह बिता कर लौटने के बाद देखा गया कि इन दोनों कछुओं के शरीर का वजन 10त्न कम हो गया था.

3. दिमाग के बिना भी रह सकते हैं जिंदा!

जानकारी के अनुसार, अगर कछुए के दिमाग को इसके शरीर से अलग कर दिया जाए तो भी ये करीब 6 महीनों तक जीवित रह सकते हैं.

4. इतने दिनों में आते हैं अंडे से बाहर

मादा कछुआ एक बार में 1 से 30 अंडे देती हैं. इसके लिए वे पहले मिट्टी खोदकर स्थान बनाती हैं. वहीं, इन अंडों से बच्चे निकलने में 90 से 150 दिन का समय लगता है.

5. नहीं होते मुंह में दांत

बता दें कि कछुओं के मुंह में दांत नहीं होते हैं. इससे अलग उनके मुंह में एक तीखी प्लेट की तरह हड्डी का पट्ट होता है जो खाना चबाने में उनकी सहायता करता है.

6. बहुत कुछ बताता है कवच का रंग

कछुओं के कवच के रंग से पता लगाया जा सकता है कि ये जिस इलाके में रहते हैं, वहां का तापमान कैसा है. दरअसल, गर्म इलाकों में रहने वाले कछुओं के कवच का रंग हल्का होता है. वहीं, ठंडी जगह पर रहने से ये गहरे रंग का हो जाता है. यानी अगर आपको कोई हल्के रंग की शेल वाला कछुआ नजर आए तो समझ जाइएगा कि वो किसी गर्म इलाके से वासता रखता है.

7. निकालनी पड़ती है फेफड़ों की हवा

कछुआ जब अपने कवच में छुपता है तो उसे अपने फेफड़ों की हवा निकालनी पड़ती है. ऐसा करते हुए आप उसे सांस छोड़ते हुए सुन भी सकते हैं.

8. गोली तक का कर सकता है सामना

इसके अलावा इनका कवच इतना मजबूत होता है कि वो बंदूक की गोली तक का भी सामना कर सकता है. माना जाता है कि इनके कवच को तोड़ने के लिए उनके वजन से 200 गुना ज्यादा वजन की जरूरत पड़ेगी. हालांकि बाज पक्षियों को इसे तोड़ने की तरकीब पता है. वो कछुए को अपने पंजों में दबा कर काफी ऊंचे उड़ जाते हैं और फिर उसे वहां पत्थरों या पहाड़ियों पर गिरा देते हैं, जिससे कवच टूट जाता है.

9. रोमन मिलिट्री ने ली थी सीख

प्राचीन रोमन मिलिट्री कछुओं से बेहद प्रभावित हुई थी. उनकी सेना के जवानों ने कछुए से ही लाइनें बनाना और अपनी ढाल को सिर के ऊपर रखना सीखा था ताकि लड़ाई के दौरान दुश्मन के वार से बचा जा सके.

पूरी दुनिया में कछुओं की कुल 300 प्रजातियां (ह्यश्चद्गष्द्बद्गह्य) हैं जिनमें से वर्तमान में 129 प्रजातियां संकट में हैं. दुनियाभर में कछुओं की घटती संख्या को देखते हुए और लोगों में इनके संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए प्रतिवर्ष 16 जून को विश्व कछुआ दिवस मनाता जाता है.

यह दिवस अमेरिकन टॉरटॉयज रेस्क्यू (गैर-लाभकारी संगठन) द्वारा स्थापित किया गया था।

उद्देश्य-कछुओं की दुर्लभ प्रजातियों को लुप्त होने से बचाने के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाना।

कछुओं की प्रजाति विश्व की सबसे पुरानी जीवित प्रजातियों में से एक मानी जाती है।

जीव-वैज्ञानिकों के अनुसारग कछुए इतने लंबे समय तक सिर्फ इसलिए स्वयं को बचा सकेग क्योंकि उनका कवच उन्हें सुरक्षा प्रदान करता है।

अंटार्कटिका को छोड़कर ये लगभग विश्व के सभी महाद्वीपों में पाए जाते हैं।

बोग कछुए जो कि लंबाई में 4 इंच के होते हैंग सबसे छोटे कछुए होते हैं।

लेदरबैक सी कछुए (वजन लगभग 1500 पाउंड) सभी कछुओं में सबसे बड़ा होता है।

भारत में असम राज्य के दीमा हसाओ में स्थित हेजोंग झील (जिसे कछुआ झील के नाम से जाना जाता है) में लगभग 400-500 कछुए निवास करते हैं।

इसके अलावाग इस झील में हिल टेर्रपिन्स प्रजाति के दुर्लभ कछुए भी पाए जाते हैं।

सू-दोकू नवताल - 2140

	9	3						
	7			1	8			9
		8	7	3		1		
	8	9		5	1		7	6
2								
	1		8	7		4	9	
		4		6	5	7		
7			3	2			5	
						6	4	

सू-दोकू -2139 का हल

5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2140

बायें से दायें:-

1. मनोजकुमार, साधना की 'तुम बिन जीवन कैसे बीता' गीतवाली फिल्म-3
3. 'चली सात फेरे लेकर' गीत वाली मिलिंद सोमण, विक्रम फिल्म-3
5. अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, रिमी सेन, ईशा देओल की फिल्म-2
7. 'हो जाता है प्यार' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी और प्राण की फिल्म-3
8. अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, अजय, मनीषा, रेखा, सोनाली, माधुरी की फिल्म-2
9. 'ना वादा करते हैं' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोमी अली की फिल्म-2
10. अनिलकपूर, पूनम ढिल्लों की 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली फिल्म-3
13. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या फिल्म-2
14. अजय देवगन, विवेक, मनीषा की 'खल्लास' गीत वाली फिल्म-3
15. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-3
17. फिल्म 'दोस्ताना' की नायिका थी-3
18. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली राजकुमार, धर्मेन्द्र की फिल्म-3
19. शशिकपूर, जीनत अमान की एक फिल्म-3
22. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीनाराय की 1972 की एक फिल्म-4
23. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली फिल्म-3
24. अनिल, श्रीदेवी, रवीना की फिल्म-3
25. आमिरखान, मनीषा की फिल्म-2
26. 1971 में बनी जीतेंद्र, डिम्पल कपाड़िया की श्याम रल्हन निर्देशित फिल्म-2
27. 'मिजाजे गिरामी दुआ है आपकी' गीत वाली फिल्म-2
28. फिल्म 'जांनशीन' में नायक-4,2
29. शाहिद कपूर, करीना की 'दिल मेरे ना और' गीत वाली फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली फिल्म-2
2. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-3
3. 'हाय हाय ये मजबूरी' गीत वाली मनोज कुमार जीनत अमान की फिल्म-2,3,2,3
4. फिल्म 'घर में श्याम गली में राम' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी-3
6. आफताब शिवदासानी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-2
9. 'बड़ी मुश्किल है खोया मेरा दिल है' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-3
11. फिल्म 'इंडियन' में नायक कौन था-2
12. मनोजकुमार की राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत फिल्मों में उनके किरदार का नाम है?-3
13. राजेश, जया भादुड़ी की 'बरस गई रे तरस गई' गीत वाली फिल्म-2,1,3
15. अक्षय, सुनील, जैकी, रवीना, लारा दत्ता की फिल्म-2
16. जैकी श्रॉफ, फरहा की फिल्म-4
17. 'शीशी भरी गुलाब की' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-2
20. करण दीवान, स्वर्णलता की 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-3
21. 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली राजकुमार, मीनाकुमारीकी फिल्म-3
23. हिमालय, भाग्यश्री की 'मुझको पायल नाम दिया' गीत वाली फिल्म-3
26. 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली मनोज, धर्मेन्द्र, सायरा बानों की फिल्म-2
27. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2139

सं	न्या	सी		ह	मे	शा		खौ	फ
ध्या		मा	सू	म		र	क्षा		र्ज
	रो		र		सौ	दा		त्रि	
ना	जा	य	ज		त		श्री	दे	वी
ग		की		जा	न	म		व	
म	हा	न		गृ		द	म		मा
णि			प्र	ति	का	र		ज	या
	फ	र	हा		लि			मा	
रॉ	की		र	जि	या	सु	ल्ता	न	
	रा	खी		स्म		र		त	ब्बू

ऐतिहासिक प्राचीन पवित्र शिवपुरी

शिवपुरी में बने महल और झीलें यहां आने वाले पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र हैं. मध्य प्रदेश के शिवपुरी की प्राकृतिक सुंदरता देखते ही बनती है. यहां पर चलने वाली हवा आपको तरो-ताजा कर देगी। एक जमाने में ये जगह ग्वालियर के सिंधिया वंश की समर कैपिटल थी. वे यहां गर्मियों के दिनों में आराम फरमाने के लिए आया करते थे।कहा जाता है कि यहां के घने जंगलों में मुगल सम्राट शिकार के लिए आते थे। अकबर ने यहीं से हाथियों के विशाल झुंड और शेरों को पकड़ा था।

समुद्रतल से 1515 फुट ऊपर भारत के मध्य प्रदेश में घने जंगलों का जिला हैं शिवपुरी। यह बहुत ही प्राचीन और पवित्र जगह है। प्राचीन समय में इसे सिपरी कहते थे। आजादी के बाद भगवान शिव के सम्मान में इस जगह का नाम शिवपुरी पड़ा। इस जगह का अपना शाही इतिहास है। यह जगह कभी ग्वालियर के शासक सिंधिया की ग्रीष्मकालीन राजधानी हुआ करती थी। इसके पहले यहां के घने जंगलों में मुगल शासक शिकार किया करते थे। 1564 में मांडू से लौटते समय अकबर ने इन्हीं जंगलों में हाथी के झुंड का शिकार किया था। यहां के घने जंगल अब एक मिथक नहीं रह गए है बल्कि यहां आज भी घने जंगल पाएं जाते है जो शिवपुरी के पर्यटन को बढ़ावा देते है। यहां का कारेरा पक्षी अभयारण्य और माधव राष्ट्रीय पार्क, शिवपुरी में आने वाले पर्यटकों के लिए उत्तम जगह है जहां वह प्रकृति और शांति के अद्भुत सह - अस्तित्व को देख सकते है।

शिवपुरी का इतिहास काफी लंबा और पुराना है जो वाकई में बेहद रंगीन है। लगभग सत्रहवीं शताब्दी में शिवपुरी कच्छ राजाओं को जागीर के रूप में मिली। फरवरी 1781 में सिंधिया राजा युद्ध हार गए और यहां ब्रिटिश शासकों का कब्जा हो गया। 1804 में यह जगह फिर से सिंधिया राजाओं को मिली। तात्या टोपे को 1857 की लड़ाई में झांसी की रानी का साथ देने के लिए फांसी की सजा सुनाई गई। उन्हें शिवपुरी में ही फांसी दी गई थी। यह जगह आज भी यहां के नजदीकी कलेक्टरेट के पास है।

शिवपुरी को शाही परिवार की ग्रीष्मकालीन राजधानी कहा जाता है। शिवपुरी में कई महल व किले और मंदिर है जिनमें नरवार किला, माधव विलास पैलेस और महुआ शिव मंदिर आदि काफी प्रसिद्ध है। इसमें कोई शक नहीं है कि शिवपुरी एक शानदार पर्यटन स्थल है, यहां आत्मनिर्भर उद्योग द्वारा निर्मित शानदार स्मारक, राष्ट्रीय पार्क और पक्षी विहार स्थित है जो पर्यटकों को शिवपुरी की सैर के लिए मजबूर कर देते है।

मध्य प्रदेश के इस प्रसिद्ध जिले में देखने के लिए शानदार शाही महल हैं। शिकार करने के लिए लॉज और सिंधिया शासकों के बनाए गए बेहतरीन स्थल यहां के मुख्य आकर्षण हैं। मार्बल से बने खूबसूरत स्मारक भी देखे जा सकते हैं। 1911 में जार्ज किला जियाजी राव सिंधिया ने बनवाया था। माधव नेशनल पार्क के साथ ऊंचाई पर बना किला जार्ज वी बाघों के शिकार के लिए इस्तेमाल किया जाता था। ढलते सूरज के समय इस किले से पहाड़ी के नीचे के आसपास का नजारा और झील का नजारा अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करता है।

शिवपुरी मुख्य रूप से यहां स्थित शिव मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। यहां आप मन की शांति पा सकते हैं। योग और मेडिटेशन के लिए शिवपुरी बेहतर विकल्प है। साथ ही यहां पर बहती गंगा नदी में कई साहसिक खेलों का आयोजन किया जाता है। जैसे रिवर राफ्टिंग, बीच कैम्पिंग। साथ में जंगल वॉक, माउंटनेनियरिंग और जंगल ट्रेकिंग का भी मजा लिया जा सकता है। शिवपुरी जाने का सही समय है सितम्बर से मई तक। यह सड़क और रेल यातायात से जुड़ा है।

शिवपुरी में स्थित माधव राष्ट्रीय पार्क एक सुंदर भूमि है जहां समृद्ध जैव विविधता है और एक शांत झील के चारों ओर रोलिंग पहाडियां स्थित है, यहां स्थित घास के मैदान वातावरण को हरा - भरा बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ते है। 157.58 वर्ग किलोमीटर में फैले इस नेशनल पार्क में चिंकारा, चीतल, चौसिंहा, सांभर, ब्लैकबक, स्लोथबीयर, लंगूर और तेंदुआ जैसे जानवर देखने को मिलते हैं। यहां का सफर रोमांच से भरा होता है।

शिवपुरी राष्ट्रीय पार्क तक ही सीमित नहीं रह गया है यहां सख्या सागर झील, बूरा खोन झरना, पावा झरना और सौन चिरैया बर्ड सेंचुरी भी स्थित हैं जहां प्रकृति की गोद में स्थित सुंदर माहौल को देखा जा सकता है। शिवपुरी, पर्यटकों को शहरी कंक्रीट के जंगल से दूर प्रकृति के सानिध्य में समय गुजारने का अमूल्य वातावरण प्रदान करता है।

अतिशय दिगंबर जैन क्षेत्र पचराई

शिवपुरी जिले के खनियाधाना से ईसागढ. मार्ग पर मात्र 16 कि.मी. दूर अतिशय दिगंबर जैन क्षेत्र पचराई विद्यमान है। मध्य रेलवे लाइन के बसई स्टेशन से 48 कि.मी. दूर बस बस द्वारा पचराई पहुँचा जा सकता है। शिवपुरी से रन्नौद होकर 75 कि.मी. की दूरी तय कर भी पचराई पहुँचते हैं। पचराई की शिल्पकला 11वीं शताब्दी का है। अनेक शिलालेख वि.सं. 1122,1210,1345 के भी उपलब्ध हैं।

पचराई जैन क्षेत्र एक अहाते में परकोटा से आवृत्त 28 जिनालयों का समूह है। मुख्य मंदिर शीतलनाथ स्वामी का है जिसमें खडगासन, 12 फुट की अवगाहना पर देशी पाषाण कृत तीर्थंकर शीतलनाथ जी वंदनीय हैं। अनेक मूर्तियों में 453 अभी भी अखंडित दर्शनीय हैं। कतिपय मूर्तियों पर किया गया हीरे का पालिस उनके सौंदर्य को चमकदार बनाये हुये हैं। 1200 वर्ष प्राचीन यह क्षेत्र जर्जर हो रहा है हालाँकि सन् 1965 में साहू जैन ट्रस्ट द्वारा इसका जीर्णोधार कराया जा चुका है। यहाँ का निर्माता भी पाणाशाह को माना जाता है। इस क्षेत्र पर धर्मशाला,बावडी और उदासीन आश्रम भी हैं।

शिवपुरी का मौसम

शिवपुरी की सैर का सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च के दौरान होता है। वैसे यहां साल के सभी मौसम में पर्यटक भ्रमण कर सकते है। लेकिन सुखद सैर के लिए हल्की सर्दी के बाद से आया जा सकता है।

खोखही मठ ऑफ रन्नौद

शिवपुरी में अधिकांश मंदिर भगवान शिव को समर्पित है लेकिन खोखही मठ ऑफ रन्नौड इस क्षेत्र में बने मंदिरों में से थोड़ा अलग है जो घने जंगलों के बीच स्थित है। कई सालों से भक्त इस मठ में दर्शन करने आते रहते है। एक लम्बे समय से मठ इस क्षेत्र में पर्यटन का केंद्र बना हुआ है।

खोखही मठ ऑफ रन्नौड, शिवपुरी के आसपास के क्षेत्र का एक प्राचीन मंदिर है। हिंदुओं के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विश्वासों के अनुसार, यह मठ धार्मिक महत्व रखता है जो कुछ प्राचीन पूजा स्थलों और स्थानों के संरक्षण के लिए मार्ग प्रशस्त करता है। यह मंदिर 6 वीं या 7 वीं सदी में बना हुआ है लेकिन आज 20 वीं सदी में यहां आने भक्तों की श्रृद्धा में कोई कमी नहीं है, यहां आने श्रृद्धालुओं ने इस मंदिर के प्रताप को बरकारार रखा है।

भक्तों की अटूट श्रृंखला अभी भी मंदिर को लेकर बनी हुई है। इस मंदिर के आसपास महुआ मंदिर, टेराही मंदिर और सिद्धेश्वर मंदिर स्थित है, यह सभी मंदिर उस दौरान के बने हुए है जब यहां की भूमि पर राजा और राज्यों के शासकों का बोलबाला था। उसी युग में रन्नौड के खोखही मठ का भी निर्माण किया गया था, यह मठ शिवपुरी के बाहरी क्षेत्र में शहर से 65 किमी. की दूरी पर स्थित है।

मटका मेला

शिवपुरी के प्राचीन राजेश्वरी माता मंदिर में चैत्र नवरात्री के अवसर पर आयोजित होने वाले मटकों के प्रसिद्ध मेले में अब भी भारी भीड़ जुटती है और इसमें मटके या मिट्टी से निर्मित बर्तन खरीदना आज भी शुभ माना जाता है।

इस मेले में शिवपुरी और आसपास के शहरों, नगरों के लोग बेहद श्रद्धा के साथ आते हैं और माता के दरबार में दर्शन व पूजा-अर्चना के बाद मिट्टी से निर्मित वस्तु जरूर खरीदने का प्रयास करते हैं। मेले के लिए नवरात्रि की छठ से ही दुकानें सजना प्रारंभ हो जाती हैं। मेले में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा सीमावर्ती उत्तरप्रदेश के झांसी जिले से भी मिट्टी के कलात्मक मटके-बर्तन और खिलौने लेकर आते हैं। इन कलात्मक वस्तुओं को खरीददार काफी पसंद करते हैं। मेले में मटकों और सुराही के अलावा मिट्टी के तवे (करीला), बच्चों की गुल्लकों, चक्की तथा अन्य खिलौनों की खूब मांग रहती है।

कैसे जाएं-

वायु मार्ग- शिवपुरी का निकटतम एयरपोर्ट ग्वालियर में है। ये एयरपोर्ट शिवपुरी से लगभग 117 किलोमीटर की दूरी पर है।

रेल मार्ग- झांसी और ग्वालियर शिवपुरी के नजदीकी रेलवे स्टेशन हैं।

सड़क मार्ग- आगरा, ग्वालियर, झांसी, भोपाल, इंदौर, उज्जन आदि शहरों से यहां के लिए नियमित रूप से बसें चलती रहती हैं।

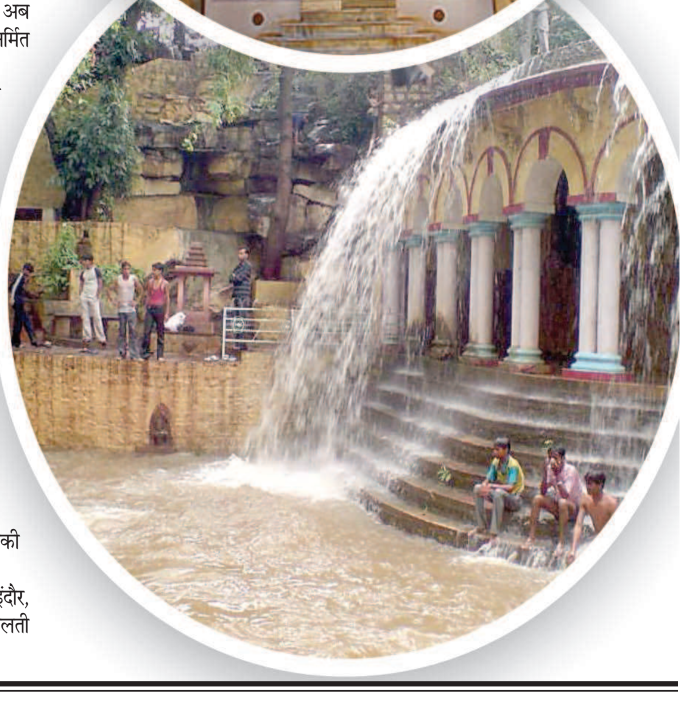

सोने में हल्की बढ़त, चांदी में तेजी

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में बेहद मामूली बढ़त आई है जबकि चांदी में तेजी दिखी है। दिल्ली सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना तीन रुपये की बढ़त के साथ ही 50,304 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 50,301 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं चांदी 304 रुपये ऊपर आकर 60,016 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई जबकि पिछले कारोबारी सत्र में चांदी का भाव 59,712 रुपये प्रति किलोग्राम रहा था। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना बढ़त के साथ ही 1,820 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। चांदी 21.35 डॉलर प्रति औंस पर स्थिर थी।

जेडब्ल्यूएस स्टील का कच्चे इस्पात का उत्पादन 31 फीसदी बढ़ा

कोलकाता । जेडब्ल्यूएस स्टील का कच्चे इस्पात का उत्पादन मई माह में एकल आधार पर 31 फीसदी बढ़कर 17.89 लाख टन हो गया। कंपनी ने बुधवार को यह जानकारी दी। मई 2021 में कंपनी का कच्चे इस्पात का उत्पादन 13.67 लाख टन था। कंपनी ने कहा कि उसके फ्लैट रोल्ड उत्पादों का उत्पादन 29 फीसदी बढ़कर 12.84 लाख टन और लांग उत्पादों का उत्पादन 25 फीसदी वृद्धि के साथ 3.86 लाख टन हो गया।

स्विच मोबिलिटी 30 करोड़ डॉलर जुटाएगी

चेन्नई । अशोक लीलैंड की इलेक्ट्रिक वाहन इकाई स्विच मोबिलिटी 30 करोड़ डॉलर जुटाने के लिए वित्तीय निवेशकों से चर्चा कर रही है, जिसमें से करीब 20 करोड़ डॉलर पूंजीगत खर्च के लिए होगा जबकि बाकी 10 करोड़ डॉलर स्विच की सहायक ओहम ग्लोबल मोबिलिटी के लिए है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा` कि हम स्विच मोबिलिटी के लिए करीब 20 करोड़ डॉलर जुटाने पर विचार कर रहे हैं, जिसका इस्तेमाल उत्पादों में सुधार और क्षमता पर किया जाएगा। ओहम मोबिलिटी में 10 करोड़ डॉलर का इस्तेमाल नए कारोबार के अधिग्रहण पर किया जाएगा। ओहम मोबिलिटी ई-मोबिलिटी को एक सेवा के तौर पर सामने रखने पर विचार कर रही है और वह रखरखाव, डिपो में चार्जिंग पाइंट लगाने आदि जैसे परिचालन से जुड़े काम पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा` कि स्विच कुल मिलाकर अगले पांच साल में करीब 20-30 करोड़ डॉलर का निवेश करने जा रही है। कंपनी कथित तौर पर स्विच डेडिकेटेड फैसिलिटी में 1,000 करोड़ रुपए के निवेश की योजना बना रही है।

सरकारी इकाइयों की ढांचागत परियोजनाओं का वित्तपोषण निर्देशों अनुसार करें बैंकः आरबीआई

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों से सरकारी स्वामित्व वाली इकाइयों को बुनियादी ढांचा तथा आवासीय परियोजनाओं के लिए कर्ज देते समय उसके निर्देशों को पूर्ण रूप से पालन करने को कहा है। आरबीआई ने एक परिपत्र में कहा कि ऐसे उदाहरण सामने आए हैं, जहां बैंक सरकारी स्वामित्व वाली इकाइयों को बुनियादी ढांचे/आवास परियोजनाओं के वित्तपोषण के संबंध में वाणिज्यिक व्यवहार्यता के आकलन, कर्ज चुकाने की जिम्मेदारी के लिये राजस्व स्रोतों का पता लगाने और धन के अंतिम उपयोग पर नजर रखने को लेकर निर्देशों का सख्ती से पालन नहीं कर रहे हैं। इसमें कहा गया है कि परियोजनाओं की व्यावहारिकता का भी पता लगाया जाना जरूरी है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि परियोजना से पर्याप्त राजस्व सृजित हो और कर्ज की अदायगी हो सके। आरबीआई ने कहा` कि बैंकों से अपेक्षा है कि वे इन निर्देशों का पालन करें। केंद्रीय बैंक ने बैंकों से यह भी कहा है कि वे निर्देशों के अनुपालन के संदर्भ में तीन महीने के भीतर व्यापक रिपोर्ट अपने निदेशक मंडल के समक्ष रखें।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार में बुधवार को भी गिरावट रही। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन भी विदेशी निवेशकों की लगातार निकासी से बाजार में बिकवाली हावी रही। इसके साथ ही दुनिया भर के बाजारों से भी मिलेजुले संकेत मिले हैं। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 152.18 अंक करीब 0.29 फीसदी की गिरावट के साथ ही 52,541.39 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 39.95 अंक तकरीबन 0.25 फीसदी नीचे आकर 15,692.15 अंक पर बंद हुआ। दिग्गज कंपनियों में शामिल एनटीपीसी, इन्फोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर, विप्रो, टेक महिंद्रा और पावरग्रिड के शेयर नीचे आये जिससे भी बाजार पर दबाव पड़ा। दूसरी ओर बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील और लार्सन एंड टुब्रो के शेयरों को लाभ हुआ। वहीं एशिया के अन्य बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की नुकसान में रहे जबकि हांगकांग का हैंगसेंग तथा चीन का शंघाई कंपोजिट लाभ में रहा। यूरोप के बाजार लाभ में रहे। दूसरी ओर अमेरिकी बाजार में मिला-जुला रुख देखने में आया।

रुपया सर्वकालिक निचले स्तर 78.17 पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपये में भारी गिरावट दर्ज की गयी है और ये सर्वकालिक रिकार्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 13 पैसे की गिरावट के साथ ही 78.17 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में कमजोर कारोबार के साथ ही विदेशी पूंजी की लगातार निकासी के कारण निवेशकों की कारोबारी धारणा प्रभावित होने से यह गिरावट आई है। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 77.99 के भाव पर खुला जबकि गत दिवस रुपया 78.04 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

लेटेस्ट-जनरेशन एम2 से पर्दा उठाएगी बीएमडब्ल्यू

-एम2 बिना इलेक्ट्रिफिकेशन का अंतिम वाहन होगी

नई दिल्ली । महंगी कारें बनाने वाली कंपनी बीएमडब्ल्यू जल्द ही लेटेस्ट-जनरेशन एम2 से पर्दा उठाएगी। कंपनी के अनुसार, यह आखिरी इंटरनल कांबुस्टन एम मॉडल होगा। इसकी बीएमडब्ल्यू के एम डिवीजन के सीईओ फ्रैंक वैन मील ने पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि 2023 में बीएमडब्ल्यू एम 2 डिवीजन की आखिरी प्योर कांबुस्टन कार होगी। एम2 बिना इलेक्ट्रिफिकेशन का अंतिम वाहन होगी। बीएमडब्ल्यू एम2 में रियर-व्हील ड्राइव कॉन्फिगरेशन के साथ छह-सिलेंडर इंजन और एक मैनुअल गियरबॉक्स होगा। एम2 में माइल्ड-हाइब्रिड 48वी सिस्टम नहीं होगा। यह अन्य मॉडलों के बीच तेजी से आम होता जा रहा है। वहीं कंपनी जल्द ही एक्सएम एसयूवी का भी अनावरण करेगी। यह बीएमडब्ल्यू का पहला इलेक्ट्रिफाइड पावरट्रेन एम मॉडल होगा। इसका सीधा मुकाबला मर्सडीज-बेंज ईक्यूसी और ऑडी ई-ट्रान जैसी गाड़ियों के साथ होगा। बता दें कि नई बीएमडब्ल्यू एम2 इस साल बाजार में आ सकती है और इसका उत्पादन मेक्सिको में होने की उम्मीद है। बीएमडब्ल्यू इस महीने के अंत में 23 जून को गुडवुड फेस्टिवल ऑफ स्पीड में एम3 टूरिंग से पर्दा उठाएगी। नया एम2 (जी87) पुराने मॉडल की तरह स्टेंडर्ड 2-श सीरीज कूप के साथ अंडरपिनिंग और कुछ इंटरनल और बाहरी बिट्स साझा करेगा, लेकिन इसमें बहुत सारे बॉडी पैनल और अपग्रेड किए जाएंगे। आने वाले महीनों में नए एम2 के बारे में अधिक जानकारी मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा बीएमडब्ल्यू ने नई जनरेशन की एक्स1 और इसके इलेक्ट्रिक वर्जन आईएक्स1 से पर्दा उठाया दिया है। नई बीएमडब्ल्यू एक्स1 बीएमडब्ल्यू के एफएएआर आर्किटेक्चर पर बेस्ड है, कार के इंटीरियर और एक्सटीरियर में खास बदलाव किए गए हैं।

अब घरेलू रसोई गैस का नया कनेक्शन लेना हुआ महंगा

- सिलेंडर के साथ दिए जाने वाले गैस रेगूलेटर की कीमत भी 100 रुपए बढ़ाई

नई दिल्ली ।

अब घरेलू रसोई गैस का नया कनेक्शन लेना भी महंगा हो गया है। पेट्रोलियम कंपनियां गुरुवार 16 जून से बढ़े हुए दाम लागू कर देंगी। एक रिपोर्ट के अनुसार 14.2 किलोग्राम वाले सिलेंडर के सिक्योरिटी अमाउंट में कंपनियों ने 750 रुपए का इजाफा कर दिया है। पांच किलोग्राम वाले सिलेंडर के लिए भी अब 350 रुपए ज्यादा देने होंगे। सिलेंडर के साथ दिए जाने वाले गैस रेगूलेटर की कीमत भी 100 रुपए बढ़ा दी गई है। उज्ज्वला योजना के लाभार्थी भी अगर दूसरा सिलेंडर लेंगे तो उन्हें बढ़ा हुआ पैसा देना होगा। नया रसोई कनेक्शन लेने के लिए उपभोक्ता को 2,200 रुपए देने होंगे। पहले यह राशि 1450 रुपए थी। इस तरह अब 750 रुपए सिलेंडर की सिक्योरिटी के रूप में ज्यादा जमा कराने होंगे। इसके अलावा रेग्युलेटर के लिए 250, पासबुक के लिए 25 और पाइप के लिए 150 रुपए अलग से देने होंगे। इस हिसाब से पहली बार गैस सिलेंडर कनेक्शन और पहले सिलेंडर के लिए उपभोक्ता को कुल 3,690 रुपए खर्च करने होंगे। अगर कोई दो सिलेंडर लेता है तो उसे सिक्योरिटी के रूप में 4400 रुपए देने होंगे। इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के मुताबिक पांच किलोग्राम के सिलेंडर की सिक्योरिटी के रूप में अब 800 रुपए की जगह 1150 रुपए देने होंगे। प्रधानमंत्री उज्वला योजना के तहत रसोई गैस सिलेंडर लेने वाले ग्राहकों को भी झटका लगने वाला है। यदि इन ग्राहकों ने अपने कनेक्शन पर दूसरा सिलेंडर लिया तो उन्हें बढ़ी हुई सिक्योरिटी राशि देनी होगी । ग्राहकों को नए कनेक्शन में लगने वाले रेगुलेटर के लिए अब 150 रुपएकी जगह 250 रुपए देने होंगे।

मई में पाम तेल आयात घटकर 5.14 लाख टन हुआ

नई दिल्ली ।

देश का खाद्य तेल आयात इस साल मई में 33.20 प्रतिशत घटकर 5.14 लाख टन हो गया है। मई, 2021 में पाम तेल का आयात 7,69,602 टन रहा था। एसईए के अनुसार मई में देश का कुल वनस्पति तेल आयात घटकर 10,05,547 टन रह गया, जो एक साल पहले समान महीने में 12,13,142 टन था। देश के वनस्पति तेल आयात में पाम तेल की हिस्सेदारी करीब 50 प्रतिशत है। एसईए के मुताबिक इंडोनेशिया ने 23 मई से पाम तेल के निर्यात पर रोक को कुछ शर्तों के साथ हटा दिया है। साथ ही उसने निर्यात कर में भी कमी की है।

इस वजह से इंडोनेशिया से निर्यात बढ़ेगा, जिससे वैश्विक स्तर पर कीमतें प्रभावित होंगी। कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का आयात मई में घटकर 4.09 लाख टन रह गया। एक साल पहले समान महीने में यह 7.55 लाख टन था। हालांकि आरबीडी पामोलीन का आयात बड़ी बढ़ोतरी के साथ एक लाख टन पर पहुंच गया, जो एक साल पहले समान महीने में 2,075 टन था।

कच्चे पाम कर्नेल तेल (सीपीकेओ) का आयात 11,894 टन से घटकर 4,265 टन पर आ गया। वहीं सोयाबीन तेल का आयात बढ़कर 3.73 लाख टन पर पहुंच गया, जो मई, 2021 में 2.67 लाख टन रहा था।

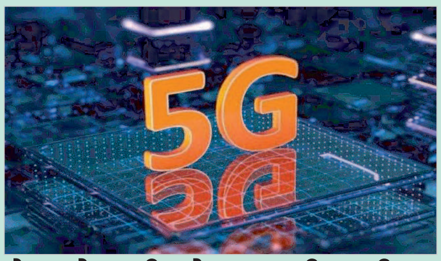

केंद्र ने 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी को मंजूरी दी

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 5जी दूरसंचार सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम की नीलामी की मंजूरी दे दी है। एक आधिकारिक बयान में जानकारी दी गई कि सरकार 20 साल की वैधता वाले कुल 72097.85 मेगाहट्र्ज स्पेक्ट्रम की जुलाई माह के ओ खिर तक नीलामी करेगी। बयान में कहा गया कि मंत्रिमंडल ने नवोन्मेष को बढ़ावा देने के लिए निजी उपयोग वाले नेटवर्क की स्थापना को मंजूरी देने का निर्णय लिया है। सरकार ने स्पेक्ट्रम के लिए अग्रिम भुगतान की आवश्यकता को समाप्त किया, सफल बोलीदाता 5जी स्पेक्ट्रम के लिए 20 ईएमआई में भुगतान कर सकते हैं।

15 अगस्त को महिंद्रा की इलेक्ट्रिक बॉर्न एसयूवी होगी पेश

- नए डिजाइन स्टूडियो में एक कार्यक्रम होगा आयोजित

नई दिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी महिंद्रा जल्द ही अपनी नई इलेक्ट्रिक एसयूवी रेंज को पेश करने जा रही है। कंपनी 15 अगस्त, 2022 को अपनी पहली इलेक्ट्रिक बॉर्न गाड़ी को पेश करेगी। कंपनी का यह कार्यक्रम यूनाइटेड किंगडम के ऑक्सफोर्डशायर में ब्रांड नए डिजाइन स्टूडियो में एक कार्यक्रम आयोजित होगा। बीते कुछ समय से महिंद्रा स्वतंत्रता दिवस पर ही अपने गाड़ी को पेश कर रही है। इससे पहले 15 अगस्त 2020 को महिंद्रा ने नई थार की पेश की थी। वहीं, 14 अगस्त 2021 को नई एक्सयूवी700 की बिक्री शुरू की थी। बता दें कि इन दोनों ही गाड़ियों कि जबरदस्त बिक्री हुई है। इसलिए महिंद्रा नई रेंज को भी 15 अगस्त के दिन ही पेश करेगी।इस साल फरवरी में महिंद्रा ने अपनी आगामी इलेक्ट्रिक एसयूवी लाइन-अप की तीन एसयूवी का पहला टीजर रिलीज किया था।इस टीजर में इसके फीचर्स की एक झलक देखने को मिली थी। इसमें सी-आकार के एलईडी लाइट्स दी गई गए है, जो बोनट पर एक एलईडी पट्टी से जुड़ी हुई है। साथ ही एसयूवी की पूरे बॉडी पर शार्प डिजाइन और एंगल्स बने हुए हैं। वहीं गाड़ी के पिछले हिस्से पर लाइटिंग डिटेल्स टेललाइट्स तक फैली हुई है। इतना ही नहीं वाहन के सेन्ट्रल कंसोल में रोटरी डायल के साथ इंस्ट्रूमेंटेशन और इंफोटेनमेंट ड्यूटी के लिए डुअल स्क्रीन सेट-अप को भी साथ रखा गया है। बता दें कि ये कारें एक कॉम्पैक्ट एसयूवी बॉर्न इलेक्ट्रिक व्हीकल हैं। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि यह पेट्रोल या डीजल वाले मॉडलों से अलग होंगे। इन्हें बिल्कुल नए अवतार में पेश किया जाएगा।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली । देश में तेल विपणन कंपनियों ने बुधवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया, जिससे लगातार 24वें दिन ईंधन के दाम स्थिर रहे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में ऊतार-चढ़ाव जारी है जिससे अभी भी यह 120 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चल रही है। इंडियन ऑयल की अधिसूचना के मुताबिक दिल्ली में बुधवार को पेट्रोल का दाम 96.72 रुपए और डीजल का दाम 89.62 रुपए प्रति लीटर है, जबकि मुंबई में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमशः 111.35 रुपए और 97.28 रुपए प्रति लीटर पर है। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर राज्यों में अलग-अलग हैं। केंद्र सरकार ने 25 मई को आम आदमी को बड़ी राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमशः आठ रुपये और छह रुपये प्रति लीटर की कटौती करने की घोषणा की थी। इससे पेट्रोल-डीजल के दाम कम से क्रमशः 9.5 रुपये और सात रुपए तक गिर गए थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड आज 0.26 प्रतिशत चढ़कर 121.48 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 0.24 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 119.21 डॉलर प्रति बैरल पर है।

दलहनी खेती पर भारी पड़ेगी नीतिगत खामियां

- खुले बाजार में चना का दाम एमएसपी के मुकाबले 800 रुपए नीचे

नई दिल्ली ।

दलहनी फसलों की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार जहां कई तरह की सहूलियतें दे रही है वहीं उचित मूल्य दिलाने की नीतियों में खामियों से योजना को धक्का लग सकता है। खुले बाजार में प्रमुख फसल चना का दाम एमएसपी के मुकाबले 800 रुपए नीचे चल रहा है। मसूर को छोड़ बाकी दलहनी फसलों के मूल्य संतोषजनक नहीं हैं। दलहनी फसलों के कुल उत्पादन में चना की हिस्सेदारी लगभग 50 फीसद है। सरकारी एजेंसी की खरीद बिक्री नीति के चलते सिर्फ मुट्ठीभर किसानों को इसका लाभ मिल पा रहा है। दीर्घकालिक नीति के अभाव में दालों में आत्मनिर्भरता का दावा विफल हो सकता है। दरअसल, सरकारी एजेंसी नैफेड पर नौ महीने के भीतर अपना स्टॉक खाली करने का दबाव रहता है। उसे बफर स्टॉक को बेचना पड़ता है। एजेंसी रोजाना टेंडर जारी करती थी, जिसे बुधवार से सप्ताह में तीन दिन कर दिया गया है। एजेंसी की इस कार्य प्रणाली से दाल की मंडियों में कीमतें और नीचे जा रही हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक फसल वर्ष 2021-22 में कुल 139 लाख टन चना का उत्पादन हुआ है। सरकारी एजेंसी नैफेड के पास कुल 30 लाख टन का बफर स्टॉक है। इसमें सात लाख टन पुराना चना भी शामिल है। यानी केवल 17 फीसद स्टॉक की खरीद ही नैफेड ने की है और 83 फीसद चना खुले बाजार में बिका है। मध्य प्रदेश की मंडियों से जुड़े एक व्यापारी का कहना है कि खुले बाजार में नैफेड के लगातार सक्रिय रहने से कीमतें लगातार नीचे जा रही हैं। चना का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 5230 रुपये प्रति क्विंटल है, जबकि खुले बाजार में चना 800 रुपये प्रति क्विंटल नीचे बोला जा रहा है। इसकी देखादेखी 6000 रुपए प्रति क्विंटल वाली मटर में 4000 रुपए की गिरावट आई है। खुले बाजार में दालों की कीमतों में गिरावट से दलहन किसानों का उत्साह घट सकता है। सरकार की मौजूदा नीति तात्कालिक है, जो दलहनी फसलों की खेती की राह का रोड़ा बन सकती है।

कार को एक बार चार्ज करिए और भूल जाइए

-सात महीने तक नहीं पडेगी रिचार्ज करने की जरूरत

नई दिल्ली । बाजार में अब एक ऐसी इलेक्ट्रिक कार आ गई है, जो एक बार चार्ज करने पर 7 महीने तक चलेगी। इस कार का नाम लाइटियर जीरो है, इसे यूरोप की कंपनी लाइटियर ने बनाया है। लाइटियर जीरो इलेक्ट्रिक कार ने पहले ही अपने डिजाइन और टेक्नोलॉजी से कई लोगों का ध्यान खींचा है। ऑटोमेकर का मानना है कि लाइटियर जीरो वास्तव में उन देशों में बैटरी को चार्ज किए बिना सात महीने तक चल सकती है, जहां सूरज की रोशनी तेज होती है। लाइटियर का मानना है कि यह इलेक्ट्रिक कार नीदरलैंड में दो महीने तक चल सकती है। इलेक्ट्रिक कार में लगे 54 वर्ग फुट के पेटेंट वाले डबल-कर्व्ड सोलर पैनल से कार की बैटरी को चार्ज करते हैं। इसकी बदौलत कार को चलाने के दौरान भी बैटरी चार्ज होती रहती है। ईवी निर्माता ने दावा किया है कि लाइटियर जीरो अपनी सौर ऊर्जा से 70 किमी तक चल सकती है। इसे प्रति वर्ष 11,000 किमी तक चलाया जा सकता है। सोलर चार्जिंग के अलावा यह इलेक्ट्रिक कार फुल चार्ज बैटरी पर 625 किमी तक चल सकती है। हाईवे पर 110 किमी प्रति घंटे की स्पीड से 560 किमी तक चल सकती है। कंपनी का दावा है कि इसकी हाईली एफिशिएंट मोटरों को एयरोडायनामिक डिज़ाइन के साथ जोड़ा गया है, जिससे ईवी को इस तरह की रेंज का वादा करने में मदद मिलती है। लाइटियर जीरो को वर्तमान में दुनिया में सबसे कुशल इलेक्ट्रिक कार के रूप में दावा किया जाता है। इस कार से रोज 35 किमी तक चलाया जा सकता है। इसके लिए कार को धूप में कार पार्क करनी होगी, जिससे ईवी में लगे सोलर पैनल से बैटरी चार्ज हो सके।

कंपनी को उम्मीद है कि यह इलेक्ट्रिक कार भविष्य में इस सेगमेंट को और आगे बढ़ाएगी। लाइटियर ने घोषणा की है कि ईवी इस साल के आखिर में इस कार का प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा। इसकी डिलीवरी नवंबर 2022 में शुरू होने की उम्मीद है।बता दें कि दुनिया भर में पिछले कुछ सालों से इलेक्ट्रिक कारों की मांग काफी तेजी से बढ़ी है, हालांकि इन कारों की रेंज अब भी लोगों की चिंता बनी हुई है।

आईसीसी रैंकिंग: टी20 में 68 स्थान की छलांग लगाकर सातवें स्थान पर पहुंचे ईशान किशन

दुबई (एजेंसी)।

भारत के सलामी बल्लेबाज ईशान किशन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की बुधवार को जारी टी20 रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में 68 पायदान की लंबी छलांग लगाकर सातवें स्थान पर पहुंच गये जबकि गेंदबाजों में भुवनेश्वर कुमार और युजवेंद्र चहल भी आगे बढ़ने में सफल रहे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही घरेलू टी20 श्रृंखला में किशन ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने अब तक तीन मैचों में 164 रन बनाये हैं जिससे वह टी20 में बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष 10 में पहुंचने में सफल रहे। किशन शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय बल्लेबाज हैं। उनके बाद केएल राहुल 14 वें स्थान पर हैं। कप्तान रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर एक-एक पायदान नीचे क्रमश- 16वें और 17वें स्थान जबकि विराट कोहली दो पायदान नीचे 21वें स्थान पर खिसक गए हैं।

गेंदबाजों में तेज गेंदबाज भुवनेश्वर सात पायदान ऊपर 11वें जबकि लेग स्पिनर चहल चार पायदान के फायदे से 26वें स्थान पर पहुंच गए हैं। आस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड ने टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में अपना नंबर एक स्थान फिर से हासिल कर लिया है, जबकि श्रीलंका के महेश तीक्ष्णा 16 पायदान ऊपर आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। टेस्ट रैंकिंग में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हमवतन रविचंद्रन अश्विन के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। अश्विन दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। रविंद्र जडेजा और अश्विन ऑलराउंडर्स की सूची में शीर्ष दो स्थानों पर बने हुए हैं। टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में रोहित और कोहली क्रमश- सातवें और दसवें स्थान हैं जबकि इंग्लैंड के जो रूट न्यूजीलैंड के खिलाफ मौजूदा आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप श्रृंखला में लगातार दूसरा शतक लगाने के बाद शीर्ष पर पहुंच गए हैं।

रूट के अब आस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन से पांच रेटिंग अंक अधिक हैं। नॉटिंघम टेस्ट की पहली पारी में 176 रन की पारी खेलने वाले रूट के 897 अंक हैं। रूट के हमवतन जॉनी बेयरस्टो और कप्तान बेन स्टोक्स को भी फायदा हुआ है। बेयरस्टो की 92 गेंदों में 136 रन की पारी की बदौलत इंग्लैंड ने आखिरी दिन में पांच विकेट से जीत हासिल की थी। इस शानदार पारी के दम पर बेयरस्टो 13 पायदान के फायदे से 39वें स्थान पर पहुंच गए जबकि स्टोक्स 27वें से 22वें स्थान पर पहुंचने में सफल रहे। उन्होंने लक्ष्य का पीछा करते हुए 75 रन की नाबाद पारी खेली थी।

तपती गर्मी में भारतीय पहलवान साइ केंद्र में कर रहे हैं अभ्यास, मेस में भी भोजन का स्तर घटिया

सोनीपत (एजेंसी)।

भारत के एलीट पहलवानों और कोचों को भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के सोनीपत केंद्र में कुश्ती हॉल के मरम्मत में देरी के कारण तेज गर्मी में ट्रेनिंग करने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है जिससे उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव के साथ चोटों का खतरा बना हुआ है। करीब 70 पुरूष पहलवान इस हॉल में पसीना बहा रहे हैं जिसमें देश के शीर्ष फ्री-स्टाइल और ग्रीको रोमन पहलवान भी शामिल हैं। जबकि एनसीआर में तापमान इन दिनों 45 डिग्री सेल्सियस के पार हो रहा है तो यह हॉल ट्रेनिंग के लिए फिट नहीं है।

राष्ट्रीय शिविर की निगरानी कर रहे कई कोच में से एक ने बताया कि कभी कभार 'मल्टीपर्पज' हॉल के अंदर का तापमान ट्रेनिंग के दौरान 39 डिग्री तक पहुंच जाता है। कोच ने कहा, 'ट्रेनिंग के लिए आदर्श तापमान 23 से 24 डिग्री होना चाहिए लेकिन हम अपने पहलवानों को इतनी गर्मी में ट्रेनिंग करवाकर चोट लगने की ओर ढकेल रहे हैं। जब राष्ट्रमंडल खेल करीब हैं तो यह आदर्श स्थिति नहीं है।'

एक कोच ने कहा, 'ऐसा लगता है कि जैसे हम 'सोना बाथ' (भाप स्नान) ले रहे हैं। यहां इतनी गर्मी होती है।' पहलवान सुशील कुमार और योगेश्वर दत्त हॉल में ट्रेनिंग किया करते थे लेकिन इसमें मरम्मत का काम चल रहा है तो पहलवान 'मल्टीपर्पज हॉल' में ट्रेनिंग कर रहे हैं जिसकी ऊंचाई 12.5 मीटर है जिससे एयर कंडीशनर (एसी) भी प्रभावी नहीं रहते हैं। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता बजरंग पूनिया, हाल में रैंकिंग सीरीज टूर्नामेंट में 57 किग्रा के स्वर्ण पदक विजेता अमन सहरावत और राष्ट्रमंडल खेलों के लिए टीम में शामिल मोहित ग्रेवाल (125 किग्रा) सभी इस केंद्र पर ट्रेनिंग रहे हैं।

कभी कभार तोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता रवि दहिया, जितेंदर किन्हा और दीपक पूनिया भी सोनीपत में ही ट्रेनिंग करते हैं। दहिया आमतौर पर छत्रसाल स्टेडियम में अभ्यास करते हैं। राष्ट्रीय शिविर इस साल के शुरू में साइ केंद्र में शुरू हुआ और सर्दियों में भी अंदर का तापमान ट्रेनिंग के लिये बिलकुल सही नहीं था। उन्होंने कहा, 'सर्दी में अगर बाहर यह 10 डिग्री सेल्सियस होता तो हॉल के अंदर सात या आठ डिग्री। कभी कभार बर्फीला ठंडा हो जाता क्योंकि यह हॉल कुश्ती ट्रेनिंग के लिये फिट नहीं है।'

रुतुराज गायकवाड़ बोले- आईपीएल प्रदर्शन ने उम्मीद बढ़ायी, लेकिन चिंतित नहीं हूं

विशाखापट्टनम (एजेंसी)।

भारतीय सलामी बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ अपनी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फॉर्म को राष्ट्रीय टीम के प्रदर्शन में तब्दील नहीं कर सके हैं लेकिन वह इससे ज्यादा चिंतित भी नहीं है क्योंकि उनके लिये 'मानसिक रूप से निरंतर बने रहने' के साथ 'प्रक्रिया पर भरोसा' रखना मायने रखता है। महाराष्ट्र के इस खिलाड़ी ने 36 आईपीएल मैचों में अभी तक 1207 रन बनाये हैं लेकिन 25 साल का यह खिलाड़ी छह ट्वेंटी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में महज 120 रन ही जुटा सका है जिसमें एकमात्र अर्धशतक मंगलवार को यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 में बना। यह पूछने पर कि क्या इससे वह परेशान हैं तो गायकवाड़ ने कहा, ''नहीं परेशान नहीं हूं, यह खेल का हिस्सा होता है।''

उन्होंने कहा, ''पिछला साल मेरे लिये काफी अच्छा रहा था इसलिये लोगों को काफी उम्मीदें थी क्योंकि जब आपका आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन शानदार रहा तो ऐसा होता है। '' इस साल आईपीएल में हालांकि उनकी फॉर्म उतार चढ़ाव भरी रही लेकिन आखिर में उन्होंने वापसी की जिससे चेन्नई सुपर किंग्स के लिये 14 मैचों में तीन अर्धशतक से 368 रन बनाने में सफल रहे। उन्होंने कहा, ''आईपीएल में विकेट थोड़ा गेंदबाजों के मुफीद था। वहां कोई सपाट विकेट नहीं था, गेंद टर्न कर रही थी और इसमें कुछ स्विंग भी थी। '' गायकवाड़ ने कहा, ''इसलिये आईपीएल में तीन-चार मैचों में मैं कुछ में अच्छी गेंदों पर आउट हुआ, कुछ अच्छे शॉट क्षेत्ररक्षकों के हाथ में चले गये तो यह सब टी20 क्रिकेट का हिस्सा है। ''

टेस्ट में जो रूट की बादशाहत, बने नंबर वन बल्लेबाज, कोहली-रोहित बहुत पीछे, गेंदबाजी में कमिंस का जलवा

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की ओर से ताजा टेस्ट रैंकिंग जारी कर दी गई है। ताजा रैंकिंग में एक बार फिर से इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट का जलवा दिखाई दे रहा है। जो रूट ने ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन को पीछे करते हुए नंबर एक का ताज हासिल कर लिया है। फिलहाल जो रूट के पास 897 अंक हैं जबकि मार्नस लाबुशेन के पास 892 अंक हैं। दरअसल, वर्तमान में न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज चल रहा है। इस सीरीज में जो रूट ने जबर्दस्त लय में बल्लेबाजी की है। इसी का फायदा जो रूट को मिलता हुआ भी दिखाई दे रहा है। भारत के रोहित शर्मा और विराट कोहली जो रूट से काफी पीछे हैं। हालांकि

अच्छी बात यह है कि दोनों स्टार बल्लेबाज टॉप टेन में जरूर शामिल हैं। जो रूट पहली बार 2015 में 917 अंकों के साथ टेस्ट रैंकिंग में नंबर वन के ताज हासिल की थी। 2021 के दिसंबर में भी जो रूट इस पोजीशन पर थे। हालांकि बाद में वह पिछड़ गए थे। टेस्ट में टॉप टेन बल्लेबाजों की बात करें तो सबसे टॉप पर जो रूट हैं। दूसरे पर मार्नस लाबुशेन, तीसरे पर स्टीव स्मिथ, चौथे पर बाबर आजम, पांचवें पर केन विलियमसन, छठे पर डी करुणारत्ने, सातवें नंबर पर उस्मान ख्वाजा, आठवें पर रोहित शर्मा, नौवें पर ट्रेविस हेड और दसवें पायदान पर हैं विराट कोहली।

गेंदबाजी की बात करें तो पैट कमिंस अभी भी 901 अंकों के साथ पहले पोजीशन पर है। जबकि 850 अंकों के साथ रविचंद्रन अश्विन दूसरे नंबर पर हैं। तीसरे नंबर पर भारत के जसप्रीत बुमराह हैं। चौथे पर शाहीन अफरीदी हैं, पाचवी पर कगिसो रबाडा है। छठे पर का काईल जेमीसन, सातवें पर जेम्स एंडरसन, आठवें पर नील वैगनर, नौवे पर ट्रेंट बोल्ट और दसवें पर जोश हेजलवुड हैं। वहीं, ऑलराउंडर की बात करें तो टॉप पर भारत के रविंद्र जडेजा 350 अंकों के साथ हैं जबकि दूसरे नंबर पर रविचंद्रन अश्विन हैं। तीसरे पर जेसन होल्डर हैं और चौथे पर शाकिब अल हसन हैं। इंग्लैंड के बेन स्टोक्स फिलहाल 307 अंकों के साथ पांचवें नंबर पर हैं।

दृष्टिबाधित एकदिवसीय में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने तिहरा शतक लगाकर बनाया रिकार्ड

ब्रिस्बेन। दृष्टिबाधित एकदिवसीय में ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबाज स्टीफन नेरो ने तिहरा शतक लगाकर विश्व रिकार्ड बनाया है। नेरो ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 140 गेंदों पर नाबाद 309 रन बनाए। इससे पहले साल 1998 में दृष्टिबाधित क्रिकेट विश्व कप में ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पाकिस्तान के मसूद जान ने दोहरा शतक लगाया था। नेरो के तिहरे शतक की सहायता से ऑस्ट्रेलिया ने 2 विकेट पर 541 रन बनाये। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 269 रनों से हराया। न्यूजीलैंड के खिलाफ नेरो का यह लगातार तीसरा शतक है। ब्रिस्बेन में खेले गए इस मुकाबले में जीत के बाद नेरो ने कहा, 'देश की ओर से खेलना हर खिलाड़ी का सपना होता है। ऐसे में देश के लिए शतक बनाना उन यादों में से एक है जो आप जिंदगी भर संजो कर रखना चाहेंगे।' इस मैच के दौरान नेरो ने सीरीज का अपना पहला छक्का लगाया। नेरो किसी भी प्रारुप में तिहरा शतक लगाने वाले ऑस्ट्रेलिया के सातवें खिलाड़ी हैं। इससे पहले दिग्गज डॉन ब्रैडमैन (दो बार), बॉब सिम्बसन, बॉब कॉवपर, मार्क टेलर, मैथ्यू हेडन, माइकल।

बेयरस्टो के शतक से इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड को हराया

लंदन (एजेंसी)।

जॉनी बेयरस्टो के शानदार शतक 136 रनों की सहायता से मेजबान टीम इंग्लैंड ने यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में मेहमान टीम न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही मेजबान टीम इंग्लैंड को सीरीज में 2-0 ी बढ़त मिल गयी है। मैच में अंतिम मेजबान टीम ने जीत के लिए मिले 299 रनों के लक्ष्य को 5 विकेट के नुकसान पर 50 ओवरों में ही हासिल कर लिया। इस मैच में न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 553 रन बनाये थे। वहीं इसके जवाब में इंग्लैंड टीम ने पहली पारी में 539 रन बनाकर कीवी टीम को दूसरी पारी में 284 रनों पर ही आउट कर दिया। बेयरस्टो ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी पारी में 14 चौके और 7 छक्के लगाये। कप्तान बेन स्टोक्स ने भी 75 रन बनाए और वह अंत तक आउट नहीं हुए। वहीं अनुभवी बल्लेबाज जो रूट दूसरी पारी में विफल रहे। वह तीन रन बनाकर ट्रेंट बोल्ट का शिकार बने।

आज इंग्लैंड दौरे पर रवाना होगी भारतीय क्रिकेट टीम

मुम्बई । रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार 16 जून को इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना होगी। भारतीय टीम इस दौरे में एक टेस्ट के अलावा तीन मैचों की एकदिवसीय और इतने ही मैचों की टी20 सीरीज भी खेलेगी। उपकप्तान लोकेश राहुल का इस दौरे पर जाना तय नहीं है। राहुल अभी तक अपनी चोट से नहीं उबरे है। इंग्लैंड के लिए पहला दल मुंबई से 16 जून को रवाना होगा। उनके साथ एनसीए के कुछ स्टाफ सदस्य भी रहेंगे। वहीं दूसरा दल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के 5वें टी20 मैच के बाद 19 जून को बैंगलोर से रवाना होगा।

इंग्लैंड रवाना होने से पहले सभी खिलाड़ियों की दो बार आरटी पीसीआर जांच होगी। इस टेस्ट में नेगेटिव आने के बाद ही उन्हें इंग्लैंड भेजा जाएगा। इसके अलावा लंदन पहुंचने के बाद भी उनकी जांच होगी। इसके बाद ही टीम लीस्टर के लिए रवाना होगी। 24 जून से होने वाले अभ्यास मैच से पहले भारतीय टीम का एक छोटा सा शिविर भी लगेगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ , विकेटकीपर ऋषभ पंत और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जारी घरेलू टी20 सीरीज के बाद 19 को इंग्लैंड दौरे के लिए रवाना होंगे। टीम इस प्रकार है रोहित शर्मा (कप्तान), लोकेश राहुल (उप कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, हनुमा विहारी, चेतेश्वर पुजारा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), केएस भरत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन, शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव, प्रसिद्ध कृष्णा।

ओलंपिक के बाद भी रुके नहीं नीरज चोपड़ा, भाला फेंक प्रतियोगिता में एक बार फिर रच दिया इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)।

नीरज चोपड़ा ने फिनलैंड में पावो नूरमी गेम्स 2022 में अपने करियर के 89.30 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ एक नया राष्ट्रीय विश्व रिकॉर्ड हासिल किया। उन्होंने टूर्नामेंट में भाला फेंक प्रतियोगिता में रजत पदक हासिल किया। पावो नूरमी गेम्स 2022 में फिनलैंड के 25 वर्षीय ओलिवर हेलैंडर ने 89.83 मीटर के अपने दूसरे थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता। टोक्यो ओलंपिक में नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण पदक जीता था उसके बाद वह फिर अपनी आगे की उड़ान भरने के लिए फिनलैंड पहुंचे और वहां उन्होंने पावो नूरमी गेम्स 2022 भाग लिया जिसमें उन्होंने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ते हुए 89.83 मीटर दूर भाला फेंका। इससे पहले उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में 87.58 मीटर का भाला फेंक कर अपना रिकॉर्ड बनाया था।

केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने टोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता के भाला फेंक में अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने के बाद नीरज चोपड़ा की प्रशंसा की। अनुराग ठाकुर ने सोशल मीडिया पर नीरज कुमार की तारीफ की उन्होंने लिखा गोल्डन ग्रेट नीरज चोपड़ा ने इसे फिर से कर दिखाया! नीरज चोपड़ा ने एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाने के लिए पावो नूरमी गेम्स में 89.30 मीटर भाला फेंका! बिल्कुल रोमांचित आपको उनका थ्रो देखना चाहिए।

पूर्व केंद्रीय खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौर ने कहा, हमारे सजाए गए ओलंपियन नीरज चोपड़ा ने एक नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने पावो नूरमी खेलों में 89.30 मीटर के नए व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ फिनलैंड के तुर्कू में दूसरा स्थान हासिल किया। सांसद और भारत के सेवानिवृत्त क्रिकेटर गौतम गंभीर ने ट्वीट किया गोल्डन बॉय ने इसे फिर से किया है! नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड। शानदार नीरज चोपड़ा।

नीरज चोपड़ा ने मार्च 2021 से 88.07 मीटर का अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। यह दुनिया में सीजन का अब तक का पांचवां सर्वश्रेष्ठ थ्रो भी था।

रूसी और बेलारूस के खिलाड़ियों को बड़ी राहत, यूएस ओपन में ले सकेंगे हिस्सा

वाशिंगटन। अमरीका टेनिस संघ (यूएसटीए) ने रूसी और बेलारूसी खिलाड़ियों को यूएस ओपन ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी है। यूएसटीए ने मंगलवार को जारी बयान में कहा, 'यूएसटीए यूएस ओपन 2022 में रूस और बेलारूस के व्यक्तिगत एथलीटों को एक तटस्थ ध्वज के तहत हिस्सा लेने की अनुमति देगा।' यूक्रेन पर रूस के सैन्य अभियान की शुरुआत के बाद रूसी खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आईटीएफ) के आयोजनों और खेल जगत में कई अन्य आयोजनों से प्रतिबंधित कर दिया गया था। बेलारूस ने इस सैन्य अभियान का समर्थन किया था इसलिए बेलारूसी खिलाड़ियों पर भी समान प्रतिबंध लगाया गया था। यूएसटीए ने बयान में कहा कि वह यूक्रेन में रूस के अकारण और अन्यायपूर्ण आक्रमण की 'निंदा करना जारी रखता' है। बयान में कहा गया, 'यूएसटीएफ अन्य टेनिस संस्थाओं के साथ खड़े होकर, आईटीएफ से और सभी अंतरराष्ट्रीय टीम प्रतियोगिताओं से रूसी और बेलारूसी टेनिस संघों पर प्रतिबंध लगाने का समर्थन करता है। इसी के साथ संघ सभी अंतरराष्ट्रीय टीम प्रतियोगिताओं के बाहर प्रतिस्पर्धा करते समय उन देशों के खिलाड़ियों के लिए तटस्थ ध्वज के तहत खेलने के निर्देश का भी समर्थन करता है।' यूएसटीए ने कहा कि अपनी परिस्थितियों क ध्यान में रखते हुए वह हर राष्ट्रीयता के पात्र खिलाड़ियों को 2022 यूएस ओपन में हिस्सा लेने की अनुमति देगा। अप्रैल में, 27 जून से शुरू होने वाले प्रमुख ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट विंबलडन ने दोनों देशों के खिलाड़ियों पर प्रतिबंध लगाने के फैसले की घोषणा की थी। पुरुष और महिला पेशेवर टेनिस के शासी निकायों एटीपी और डब्ल्यूटीए ने विंबलडन के कदम को 'अनुचित' करार दिया था।

सैमसन के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी : कपिल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के प्रदर्शन पर नाराजगी जताते हुए कहा कि वह अपनी प्रतिभा के अनुरुप पदर्शन नही कर पाया है। आगामी टी20 विश्व कप को लेकर कपिल ने कहा कि अभी भारतीय टीम के पास चार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत, संजू सैमसन, दिनेश कार्तिक और ईशान किशन शामिल हैं। ये सभी खिलाड़ी टीम को अकेले जिताने की क्षमता वाले हैं। अब देखना यह है कि इसमें से किसे विश्व कप के लिए जगह मिली है। कपिल देव ने कहा, ' अगर मुझे इन तीनों कार्तिक, ईशान, सैमसन में से एक विकेटकीपर का चयन है हो तो मैं कहूंगा कि ये तीनों एक ही स्तर पर हैं। इनमें कोई अंतर भी नजर नहीं आता। ये तीनो ही बल्लेबाजी में एकदूसरे से बेहतर हैं। किसी खास दिन ये तीनों अकेले ही किसी टीम को जिता सकते हैं। विशेष रुप से सैमसन के प्रदर्शन से निराशा हुई है क्योंकि वह बहुत प्रतिभाशाली हैं। इसके बाद भी वह एक से दो मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद नाकाम हो जाते हैं। उनके प्रदर्शन में निरंतरता की वेहद कमी है। वह एक-दो मैचों में रन बनाने के बाद फिर नाकाम रहते हैं। सैमसंग ने अब तक भारतीय टीम की ओर से 13 टी-20 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने कुल 174 रन बनाए हैं जिसमें एक भी अर्धशतक शामिल नहीं है।

इंग्लैंड को मिली घरेलू धरती पर 94 साल में सबसे करारी हार, कप्तान हैरी केन ने दिया बड़ा बयाना

वॉल्वरहैम्पटन। इंग्लैंड को नेशन्स लीग फुटबॉल प्रतियोगिता में हंगरी से 4-0 से करारी हार का सामना करना पड़ा जो उसकी 1928 के बाद घरेलू धरती पर सबसे बुरी हार है। पिछले साल यूरोपीय चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने वाले इंग्लैंड को हंगरी के हाथों करारी हार के बाद अपने प्रशंसकों के कोपभाजन का शिकार होना पड़ा। यूरोपीय चैंपियन इटली के लिये भी यह अच्छा दिन नहीं रहा और उसे जर्मनी ने 5-2 से हराया। इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने कहा, ''यह पिछले कई वर्षों में हमारी पहली बड़ी हार है। हमें इसे भूलकर आगे बढ़ना होगा।'' हंगरी ने रोलैंड सलाई के गोल से 16वें मिनट में बढ़त बनायी। सलाई ने इसके बाद 70वें मिनट में स्कोर 2-0 कर दिया। जसोल्ट नागी ने इसके 10 मिनट बाद तीसरा गोल दाग दिया जबकि डेनियल गाजदैग ने हंगरी के लिये चौथा गोल किया। यह इंग्लैंड की 94 साल पहले स्कॉटलैंड के हाथों 5-1 से हार के बाद घरेलू धरती पर सबसे बड़ी हार है। इटली अभी विश्व कप में जगह बनाने से चूकने से नहीं उभरा है और ऐसे में जर्मनी ने उसे करारी शिकस्त देकर उसके घावों पर नमक छिड़क दिया। जर्मनी एक समय 5-0 से आगे था जिसके बाद इटली ने दो गोल करके हार का अंतर कुछ कम किया।

150 से ज्यादा की रफ्तार फिर भी जम्मू एक्सप्रेस को अब तक नहीं मिला डेब्यू का मौका, क्या साबित हो सकते हैं एक्स फैक्टर

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली जा रही 5 मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मुकाबले को 48 रनों से जीत लिया। इस मुकाबले में गेंदबाजों ने गजब की गेंदबाजी की और साउथ अफ्रीका को 131 रनों पर ही ऑलआउट कर दिया। इससे पहले टीम इंडिया ने शुरुआती दोनों मुकाबलों गंवा दिए थे। जिसके बाद उम्मादें जताई जा रही थी कि जम्मू एक्सप्रेस उमरान मलिक को टीम में जगह मिल सकती है लेकिन विशाखापट्टनम में खेले गए मुकाबले में उन्हें शामिल नहीं किया गया।

कब मिलेगा डेब्यू का मौका ?

इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में उमरान मलिक ने घातक गेंदबाजी की। जिसकी बदौलत उनका चयन साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के लिए हुआ। हालांकि उन्हें शुरुआती तीन मुकाबलों में डेब्यू करने का मौका नहीं मिला। लेकिन उम्मीद जताई जा रही है आगामी मुकाबलों में उन्हें डेब्यू करने का मौका मिल सकता है और वो टीम के लिए एक्स-फैक्टर साबित हो सकते हैं।

पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने उमरान मलिक की तारीफ करते हुए कहा कि वो टीम के लिए एक्स-फैक्टर साबित हो सकते हैं। इसके अलावा उन्होंने यह भी बताया कि आईपीएल में उमरान मलिक ने डेविड मिलर को काफी परेशान किया है। आपको बता दें कि उमरान मलिक ने आईपीएल के 14 मुकाबलों में 22 विकेट चटकाए हैं। इसके साथ ही उमरान मलिक ने 157 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी की।

क्रिकबज के साथ बातचीत में जहीर खान ने कहा कि आईपीएल में हमने उमरान मलिक को डेविड मिलर को आउट करते हुए देखा है। इसलिए यह कुछ ऐसा है कि अच्छा मैच-अप हो सकता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर आपको अतिरिक्त रफ्तार मिलती है तो एक्स-फैक्टर साबित हो सकते हैं। जहीर खान ने उमरान मलिक को प्लेइन इलेवन में शामिल किए जाने की वकालत करते हुए कहा कि टीम के पास एक्स-फैक्टर होना चाहिए।

राहुल द्रविड़ ने दिए थे संकेत

राहुल द्रविड़ ने संकेत दिए थे कि तेज गेंदबाज उमरान मलिक को अपनी बारी के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। उन्होंने उमरान मलिक के बारे में पूछे जाने पर कहा था कि हमें देखना होगा कि उसे खेलने का कितना समय दे सकते हैं। हमारे पास बड़ी टीम है और हर कोई प्लेइन इलेवन में नहीं हो सकता। मुझे निरंतरता पसंद है और मैं लोगों को समय देने में विश्वास करता हूं।

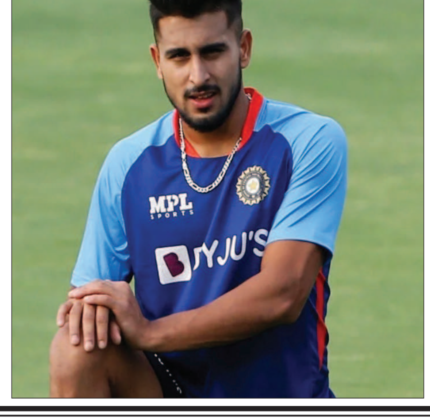

पीएम मोदी गुजरात के 1 लाख 41 हजार परिवारों को देंगे 'अपने घर' की सौगात

गांधीनगर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 18 जून को एक बार फिर गुजरात के दौरे पर आ रहे हैं। वडोदरा मं आयोजित 'गुजरात गौरव अभियान' कार्यक्रम के अंतर्गत वे विभिन्न विभागों की 21,000 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का अनावरण, शिलान्यास और ई-लोकार्पण करेंगे। पीएम मोदी कार्यक्रम के दौरान राज्य के गरीब एवं मध्यम वर्ग के परिवारों को खुद का घर मुहैया कराने के लिए शुरू की गई प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के लिए कुल 1 लाख 41 हजार आवासों का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे। कार्यक्रम में राज्य के 33 जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित 1 लाख आवासों का लोकार्पण तथा शहरी क्षेत्रों में 41 हजार आवासों में से 38,071 का लोकार्पण और 2999 आवासों का शिलान्यास किया जाएगा।

योजना के अंतर्गत अब तक राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में 3 लाख 72 हजार 865 आवासों का निर्माण किया गया है। जिनमें से सर्वाधिक 2 लाख 93 हजार आवासों का निर्माण 14 आदिवासी बहुल जिलों में ही किया गया है। वहीं, कोरोना महामारी तथा मानसून की वजह से विलंब होने के बाद 1 महीने के अल्पकाल में 1 लाख अतिरिक्त आवासों के निर्माण की मंजूरी दी गई है। इसके साथ ही आवासों के निर्माण कार्य की गहन निगरानी रखी जा रही है। इसके परिणामस्वरूप पिछले कुछ महीनों में ही 90 हजार से अधिक आवासों का निर्माण किया गया है। उधर, शहरी क्षेत्रों में 6.24 लाख आवास बनाए गए हैं। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने गुजरात के शहरों और गांवों को झोपड़पट्टी मुक्त बनाने और शहरी क्षेत्रों में रहने वाले गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों को किफायती मूल्य पर आवास उपलब्ध कराने के उम्दा मकसद के साथ 25 जून, 2015 को प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) क्रियान्वित की थी। तत्पश्चात गुजरात सरकार ने राज्य के ग्रामीण क्षेत्र के परिवारों को उनके सपनों का घर मुहैया कराने तथा उनके जीवनस्तर को ऊंचा उठाने के उद्देश्य से 20 नवंबर, 2016 को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) कार्यान्वित की। प्रधानमंत्री आवास योजना के कारण आज राज्य के लाखों परिवार 'अपने घर' में रहने का सुकून महसूस कर रहे हैं।

पाटीदार नेताओं की बैठक में आंदोलन के दौरान दर्ज मामले वापस लेने की मांग

अहमदाबाद।

अहमदाबाद के जासपुर में बुधवार को हुई पाटीदार नेताओं की बैठक में आंदोलन के दौरान दर्ज मामले वापस लेने और शहीद युवकों के परिवार को नौकरी देने की मांग की गई। बैठक में गैर आरक्षित आयोग और निगम के कई प्रश्नों पर भी चर्चा की गई। जासपुर स्थित विश्व उमिया फाउंडेशन में हुई इस बैठक में पाटीदारों की प्रमुख संस्थाओं के समाज के कई अग्रणी शामिल हुए। हांलाकि कागवड स्थित खोडलधाम ट्रस्ट के प्रमुख नरेश पटेल अनुपस्थत रहे। पाटीदारों की बैठक में राज्य सरकार के अधीन बोर्ड-निगम में आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों की आयु मर्यादा समेत शैक्षिक योग्यता में जो छूट दी गई है, उसी प्रकार अनारक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को भी देने की मांग की गई। समरसता छात्रालयों में 50 प्रतिशत जगह के लिए प्रवेश पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दिया जाए या फिर अनारक्षित वर्ग के लिए संपूर्ण सुविधाओं के साथ नए समरसता छात्रालय प्रत्येक शहर में बनाए जाएं। फिलहाल कन्या शिक्षा का लाभ केवल मेडिकल और पेरामेडिकल अभ्यासक्रम में निश्चित शाखा को दिया जाता है, जो पेरामेडिकल की सभी शाखाओं को मिलना चाहिए। अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों को विदेश अभ्यास के लिए सहायता का मापदंड सरकार के अन्य बोर्ड-निगम के प्रावधानों के मुताबिक होना चाहिए। विदेश अभ्यास लोन योजना का लाभ एक ही परिवार के एक से ज्यादा सदस्यों को मिलना चाहिए, क्योंकि एक परिवार में दो बच्चों के बीच भेदभाव नहीं किया जा सकता। पाटीदार नेताओं की बैठक में यह भी मांग की गई कि स्पर्धात्मक परीक्षा में कट ऑफ मार्क्स की थियरी सभी जाति के लिए एक समान होना चाहिए, जिसमें कोई भेदभाव नहीं रखा जाना चाहिए। साथ ही भर्ती परीक्षाओं में गुजराती और अंग्रेजी दोनों माध्यम होने चाहिए। कोचिंग क्लासिस के लिए दी जानेवाली सहायता की राशि जीएसटी को छोड़ कम से कम 30 हजार होनी चाहिए और प्राइवेट क्लासिस के लिए लागू होनी चाहिए। सरकारी सेवा भर्ती समेत अन्य स्पर्धात्मक परीक्षा के लिए जो मापदंड एससी, एसटी और ओबीसी इत्यादि के लिए तय किए गए हैं, उसी प्रकार के मापदंड अनारक्षित वर्ग के विद्यार्थियों के लिए अमल करना चाहिए। अनारक्षित वर्ग के विद्यारियों को नॉन किमिलेयर प्रमाणपत्र पाने में काफी मुश्किलें होती हैं, जबकि एससी, एसटी और ओबीसी के विद्यार्थियों को परेशानी नहीं होती। बेहतर होगा ये प्रावधान सभी के लिए बराबर होना चाहिए।

आकाश + BYJU ने संस्कार विद्या संकुल, पलसाना, गुजरात में प्राईमक्लास का शुभारंभ किया

पलसाना।

आकाश + BYJU's ने भारत के अग्रणी, प्राइम क्लास, न्यू एज सैटेलाइट-बेस्ड टेक्नोलॉजी स्कूल इंटीग्रेटेड प्रोग्राम इन टेस्ट प्रिपरेटरी सर्विसेज की शुरुआत की है, जिसे छात्रों को शीर्ष विषयों के साथ एक्सपोजर प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। नए युग के उपग्रह मोड का उपयोग करके राष्टीय स्तर के संकाय द्वारा सत्र आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम का उद्देश्य ज़ी और निट के लिए एक एकीकृत शिक्षण सम्मान बोर्ड और प्रतियोगिता की तैयारी प्रदान करना है। कार्यक्रम को अत्याधुनिक, दो-तरफा इंटरैक्टिव वीसैट तकनीक का उपयोग करके वितरित किया जाएगा जो समीक्षा और संशोधन का अतिरिक्त लाभ प्रदान करता है।

कार्यक्रम का उद्घाटन आज संस्कारविद्या संकुल पलसाना में हुआ। उच्च योग्य और अनुभवी आकाश BYJU के फैकल्टी अत्याधुनिक उपग्रह प्रौद्योगिकी का उपयोग करके लाइव पाठ की पेशकश करेंगे, एक भौतिक कक्षा अनुभव प्रदान करेंगे।

यह पाठ्यक्रम ओलंपियाड, एनटीएसई, अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले कक्षा 9 और 10 के छात्रों के साथ-साथ बोर्ड, ज़ी (मुख्य और उन्नत) और निट की तैयारी करने वाले कक्षा 11 और 12 के छात्रों के लिए बनाया गया है। पाठ्यक्रम प्रेरक और इंफोटेनमेंट सत्र, स्मार्ट मूल्यांकन प्रणाली भी प्रदान करेगा जो छात्रों को उनकी कौशल तैयारी में सुधार के लिए समग्र शिक्षण समाधान प्रदान करता है। इसके अलावा, उच्च गुणवत्ता वाले डेटा के निर्बाध संचरण के साथ अत्याधुनिक तकनीक इंटरनेट पर निर्भरता के बिना निर्बाध सीखने का अनुभव सुनिश्चित करेगी। छात्र ऑनलाइन परीक्षण के साथ सहकर्मी से सहकर्मी सीखने का आनंद लेंगे। मूल्यवर्धन के लिए, स्कूल शिक्षक भी विषय वस्तु कौशल को बढ़ाने के लिए समन्वयक के रूप में भाग लेंगे।

18 जून को पीएम मोदी विरासत वन में 11 साल पहले लगाए पौधे को वृक्ष के रूप में देखेंगे

अहमदाबाद।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 18 जून को गुजरात दौरे पर आ रहे हैं। 18 जून की पीएम मोदी पावागढ़ पर्वत पर बिराजमान महाकाली माता जी के दर्शन करेंगे और उसके बाद तलहटी स्थित विरासत वन का दौरा करेंगे। विरासत वन में पीएम मोदी खासकर उस वृक्ष को देखेंगे, जिसका 11 साल पहले उन्होंने पौधरोपण किया था। 11 साल पहले लगाया गया पौधा आज विशाल वृक्ष बन चुका है, जिसे देखने की प्रधानमंत्री विशेष इच्छा व्यक्त की है। यह पौधा नरेन्द्र मोदी ने उस वक्त लगाया था, जब वे गुजरात के मुख्यमंत्री थे। प्रधानमंत्री बनने के 8 साल बाद मोदी दूसरी पंचमहल जिले के दौरे पर आ रहे हैं। वर्ष 201। के गुजरात विधानसभा चुनाव के दौरान पीएम मोदी ने पंचमहल में एक जनसभा को संबोधित किया था। दूसरी बार 18 जून 2022 को आ रहे हैं और इस बार ऐसी जगह चुनी है जिसे उन्होंने लोगों को अर्पित की थी और उसका नाम है विरासत वन। दरअसल 31 जुलाई 2011 को गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पंचमहल जिले के हालोल तहसील के जेपुरा गांव में 62वें राज्यस्तरीय वन महोत्सव के दौरान विरासत वन में अशोक के पौधा लगाया था। 11 साल पहले लगाया गया पौधा आज वृक्ष बन चुका है। जिसे देखने की विशेष इच्छा पीएम मोदी ने व्यक्त की है। पीएम मोदी के विरासत वन के दौरे को देखते हुए वन विभाग हरकत में आ गया और उस पेड़ को खोजने के लिए पूरी टीम लगा दी। आखिरकार वह वृक्ष मिल गया, जिसका पौधा पीएम मोदी ने 11 साल पहले लगाया था। वन विभाग ने रात्रि के दौरान वृक्ष की सुरक्षा के लिए तीन कर्मचारियों को भी लगा दिया है। बता दें कि पीएम मोदी 18 जून की सुबह 9 बजे पावागढ़ के वडा तालाब के निकट बने हेलीपेड पर उतरेंगे।

जहां से महाकाली माता जी के मंदिर जाएंगे। महाकाली माती की पूजा अर्चना के बाद पीएम मोदी मंदिर पर ध्वजारोहण भी करेंगे। मंदिर में किए गए विकास कार्यों का निरीक्षण के बाद पीएम मोदी सीधे विरासत वन जाएंगे। पीएम मोदी के कार्यक्रम को देखते हुए पावागढ़ में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जिसमें 1 आईजी, 1 डीआईजी, 8 एसपी, 23 डीवायएसपी, 44 पीआई, 189 पीएसआई और 3 हजार पुलिसकर्मी सुरक्षा में तैनात रहेंगे।

मुख्यमंत्री ने उच्च स्तरीय बैठक कर 21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रमों की तैयारियों को अंतिम रूप दिया

गांधीनगर ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से आगामी 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों को अंतिम रूप दिया गया है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की अध्यक्षता में योग दिवस कार्यक्रमों को अंतिम रूप देने के लिए बुधवार को गांधीनगर में उच्च स्तरीय बैठक आयोजित हुई। इस वर्ष के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की मुख्य थीम 'योग फ़ॉर ह्यूमैनिटी (मानवता के लिए योग)' रखी गई है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में राज्य स्तर से लेकर ज़िला, तहसील एवं ग्रामीण स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों में लगभग सवा करोड़ लोगों को योगमय बना कर इस दिन को मनाने का राज्य सरकार ने सुदृढ़ आयोजन किया है। मुख्यमंत्री ने बैठक में इस समग्र आयोजन की गहन समीक्षा तथा सम्बदध प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक मार्गदर्शन दिया। बैठक में मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन, पंचायत, राजस्व, स्वास्थ्य तथा मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव, पर्यटन, प्राथमिक शिक्षा और प्रधान खेल-कूद विभागों के प्रधान सचिव, गुजरात योग बोर्ड के अध्यक्ष शीशपाल और स्पोर्ट्स ऑथोरिटी ऑफ़ गुजरात (गुजरात खेल प्राधिकरण) के सचिव सहित वरिष्ठ अधिकारी भी सहभागी हुए।

योग दिवस पर राज्य स्तरीय मुख्य समारोह अहमदाबाद स्थित साबरमती रिवरफ़्रंट पर मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति में आयोजित होने वाला है। इस अवसर पर केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री भागवत कराड और राज्य के खेल-कूद राज्य मंत्री हर्ष संघवी भी उपस्थित रहेंगे। लगभग 7500 से अधिक लोग इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व योग दिवस के कार्यक्रमों में वर्चुअल उपस्थित रह कर प्रेरणादायी संबोधन करेंगे, जिसका सीधा प्रसारण योग दिवस के सभी समारोह स्थलों पर किया जाएगा। बैठक में प्रधान खेल-कूद सचिव श्री अश्विनी कुमार ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि 'आज़ादी का अमृत महोत्सव (स्वतंत्रता के 75 वर्ष)' के अंतर्गत इस वर्ष विश्व योग दिवस गुजरात में कुल 75 आइकोनिक स्थलों पर भी मनाया जाएगा। राज्य में मोढेरा सूर्य मंदिर और अंबाजी मंदिर सहित 17 धार्मिक स्थलों, दादा हरि की वाव और दांडी स्मारक सहित 18 ऐतिहासिक स्थलों, कच्छ के रण सहित 22 पर्यटन स्थलों, मानगढ हिल तथा सापुतारा हिल सहित 17 प्राकृतिक सौंदर्य स्थलों और साइंस सिटी में इस दिन सामूहिक योग साधना कार्यक्रम होने वाले हैं। राज्य के अन्य महानगरों भावनगर में जवाहर मैदान, जामनगर में रणमल तालाब, राजकोट में रेसकोर्स मैदान, वडोदरा में लक्ष्मीविलास पैलेस तथा सूरत में वनीता आश्रम में योग दिवस मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष योग को पर्यटन के साथ जोड़ कर राज्य के पर्यटन को भी गति देने का आयोजन राज्य सरकार ने किया है। राज्य में ज़िला, तहसील, नगर पालिका स्तरों पर और स्कूलों, आईटीआई, स्वास्थ्य केन्द्रों, पुलिस थानों एवं जेलों में भी योग दिवस मनाया जाएगा। हर ज़िला स्तरीय समारोह में हर ज़िले में 3000 लोग भाग लेंगे। इस प्रकार ज़िला स्तरीय योग दिवस समारोहों में 99000 लोग भाग लेंगे।

आईआईएफटी द्वारा वार्षिक फैशन शो 'फेशोनेट 2022' का भव्य आयोजन किया गया

सूरत। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (आईआईएफटी), सूरत 2014 में अपनी स्थापना के बाद से ही सुर्खियों में रहा है। फैशन डिजाइन, इंटीरियर डिजाइन, ग्राफिक डिजाइन या इवेंट मैनेजमेंट में करियर बनाने के इच्छुक छात्रों के लिए यह शहर के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में से एक है। कोविड-19 महामारी के प्रभावों के बाद, आईआईएफटी ने 14 जून को प्लेटिनम हॉल सरसाना में अपने भव्य वार्षिक फैशन शो 'फेशोनेट 2022' की मेजबानी बड़े उत्साह के साथ की, जिसमें 125 से अधिक छात्रों ने अपने रचनात्मक संग्रह और डिजाइन का प्रदर्शन किया। इस शो में प्रस्तुत किए गए गारमेंट्स की विस्तृत श्रृंखला बोल्ड और आत्मविश्वास से भरी युवा पीढ़ी के लिए है जो कुछ खास करने और नई चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं।

जूरी, कपड़ा और फैशन उद्योग के नेताओं ने आईआईएफटी सूरत के छात्रों द्वारा उपयोग किए जाने वाले कपड़े में विभिन्न मुद्रण तकनीकों, मूल्यवर्धन और संरचनात्मक परिवर्तनों का अवलोकन किया। संस्थान के नवोदित डिजाइनरों ने गुंडागर्दी, साइबर तस्करी, ड्रग्स, ग्लोबल वार्मिंग, स्थिरता और कचरे के सर्वोत्तम उपयोग जैसे संवेदनशील मुद्दों पर भी ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने पश्चिमी और पारंपरिक परिधानों के माध्यम से सूरत की विरासत पर भी प्रकाश डाला। इसके अलावा, इसने थिएटर और फिल्म उद्योग के डिजाइनों के साथ-साथ विभिन्न अवसरों के लिए रेडी टू वियर पार्टी आउटफिट्स को भी प्रदर्शित किया, जिससे सूरत के कपड़ा उद्योग में नवाचार का अधिकतम उपयोग किया जा सके।

इस शो में सूरत की प्रतिष्ठित हस्तियों, फैशन और कपड़ा उद्योग के गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। लोकप्रिय बॉलीवुड कॉस्ट्यूम और टेक्सटाइल डिजाइनर अंजू मोदी इस शो की मुख्य जूरी थीं। केंद्र के निदेशक मुकेश माहेश्वरी ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को धन्यवाद दिया.

ऑडियो कंटेंट प्लेटफॉर्म कुकू एफएम के भारत में 1 मिलियन एक्टिव पेईंग सब्सक्राईबर्स पूरे हुए

भारत में ऑडियो कंटेंट श्रोताओं की वृद्धि और इसकी लोकप्रियता बढ़ने के साथ, अग्रणी ऑडियो कंटेंट प्लेटफॉर्म, कुकू ने आज घोषणा की कि इसके सब्सक्राईबर्स की संख्या हाल ही में 1 मिलियन एक्टिव पेईंग सब्सक्राईबर्स से ज्यादा हो गई है। कुकू एफएम ने अभी तक ब्लूचिप वीसी जैसे क्राफ्टन, वर्लिनवेस्ट, वर्टेक्स, 3वन4 कैपिटल, और आईक्यू से 25 मिलियन अमेरिकी डॉलर एकत्रित कर लिए हैं। कंटेंट सब्सक्राईबर के मामले में भारत एक संभावनापूर्ण क्षेत्र के रूप में उभरा है, जहां शीर्ष ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के पास 100 मिलियन से ज्यादा सब्सक्राईबर हो चुके हैं, जिनमें से ज्यादातर इंग्लिश का ज्ञान रखने वाले हैं। क्षेत्रीय भाषाओं पर कुकू एफएम के फोकस के साथ इस उत्पाद की महत्वाकांक्षा 1.2 बिलियन भारतीयों में सब्सक्राईबर्स बनाना है, जिन्हें इंग्लिश का ज्ञान नहीं हैं।

पूर्व आईआईटियन और टॉपर एग्ज़िक्यूटिव्स लाल चंद बिसु, विनोद कुमार मीना, और विकास गोयल द्वारा स्थापित इस प्लेटफॉर्म ने एक साल की छोटी अवधि में 27 गुना की अप्रत्याशित वृद्धि दर्ज की है।

लाल चंद बिशु, सीईओ एवं को-फाउंडर ने कहा, "यह उपलब्धि देश में हर महत्वाकांक्षी युवा के लिए ऑडियो कंटेंट प्राप्त करने का लोकप्रिय साधन बनने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हमारे विस्तृत होते प्लेटफॉर्म ने विभिन्न कंटेंट क्रिएटर्स की ओर से प्रेरणाप्रद कंटेंट के साथ हमें अपने श्रोताओं को स्थिर अनुभव प्रदान करने में समर्थ बनाया है और हमारे व्यवसाय के लिए वृद्धि का एक सशक्त मार्ग प्रशस्त किया है। हमें विश्वास है कि हम सर्वाधिक भारतीय घरों में पहुंचकर अगले साल 10 मिलियन पेड सब्सक्राईबर बना लेंगे।"

कुकू की स्थापना साल 2018 में तीन संस्थापकों ने की ताकि भारत के छोटे शहरों में युवाओं को स्थानीय भाषाओं में उच्च गुणवत्ता का कंटेंट प्राप्त हो सके। बिसु खुद एक किसान के बेटे हैं, जिन्हें इंग्लिश नहीं आती थी और उन्होंने आईआईटीजेईई की परीक्षा भी हिंदी में दी। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गुणवत्ता के कंटेंट की स्थानीय भाषाओं में उपलब्धता में कमी इसके संस्थापकों ने अपने जीवन के सफर में भी महसूस की, जिससे उन्हें इस समस्या का हल निकालने का प्रोत्साहन मिली।

सबसे ज्यादा बोलने वाली चिड़िया के नाम पर बना कुकू एफएम एक ऑडियो ओटीटी प्लेटफॉर्म है, जहां भारत के युवा लोग ऑडियोबुक्स और ऑडियो शो अपनी मातृभाषा में सुनने आते हैं। कुकू एफएम का पहला सब्सक्राईबर एक अनाज व्यापारी था, जो अपने व्यवसाय को बढ़ाना और चाणक्य नीति द्वारा रणनीति बनाना सीखना चाहता था। गुवाहाटी से 23 वर्षीय यूपीएससी प्रत्याशी, अरुण भगत सिंह, गेंगिस खान, और बाबा साहेब अंबेडकर जैसी हस्तियों की जीवनियां सुनता है।

भारत की आजादी के 75 साल पूरे होने और आजादी का अमृत महोत्सव मनाने का जश्न

बैंगलोर । आजादी के 75 साल और भारतीय लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास का जश्न मनाने और मनाने के लिए, भारत सरकार आजादी का अमृत महोत्सव मना रही है। इस उत्सव के एक हिस्से के रूप में, 10 जून 2022 को, निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (DI-PAM) ने देश भर में 75 शहरों में निवेशकों को शिक्षित और सशक्त बनाने के लिए विशेष पहल की। प्रतिष्ठित मेगा-इवेंट का उद्घाटन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और राज्य मंत्री (वित्त) द्वारा किया गया था। दीपम का कार्यक्रम भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी), एनएसई, बीएसई, सीडीएसएल और पूंजी बाजार बिरादरी के समन्वय से आयोजित किया गया था।

वित्त मंत्री ने एक निवेशक जागरूकता अभियान शुरू किया जहां सभी दीपम और राज्य प्रशासन कर्मियों ने इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम को सफल बनाया, जिसमें एनएसई, बीएसई, सेबी, सीडीएसएल, एनसीडीईएक्स, एक्सिस कैपिटल और आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज जैसे वित्तीय संस्थानों के 450 से अधिक वक्ताओं ने कुछ नाम लिए। उन्होंने हजारों निवेशकों से बात की और इनमें से प्रत्येक स्थान पर वित्तीय और पूंजी बाजार जागरूकता फैलाई। कार्यक्रम में दीपम द्वारा बनाई गई एक लघु फिल्म भी दिखाई गई।

केन् द्रीय वित् त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने मुख् य संकेत दिए हैं:

उन् होंने दीपम में हुए आमूलचूल बदलाव और विभाग की भूमिका और प्रकृति को रेखांकित किया जिसमें समुद्र में परिवर्तन हुआ है। विनिवेश शब्द को निवेश द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है जिससे सीपीएसई के प्रति सरकार की नीति में सकारात्मक परिवर्तन का संकेत मिलता है।

यह कार्यक्रम कवरत्ती, पोर्ट ब्लेयर, दमन, लेह, ईटानगर, आइजोल, इम्फाल आदि सहित सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में आयोजित किया गया था। मंत्री महोदय ने एक छोटा विभाग होने के नाते दीपम द्वारा देश की लंबाई और चौड़ाई में इस तरह के एक मेगा कार्यक्रम के आयोजन के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस तथ्य पर भी जोर दिया कि यह घटना स्थानीय भाषाओं में हुई है और फिल्म को देश की लगभग पूरी आबादी को कवर करने वाली 12 अलग-अलग भाषाओं में दिखाया गया था।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)